RNI No. MPHIN/2015/64451 डाक पंजीयन क्र. MP/IDC/1525/2022-2024 IPT डाक द्वारा प्रेषण प्रति शुक्रवार indianplasttimes@gmail.com

www.Indianplasttimes.in

इंडियन प्लास्ट टाइम्स

■ INDORE ■ 20 APRIL 2022 TO 26 APRIL 2022 ■ प्रति बुधवार ■ वर्ष 07 ■ अंक 33 ■ पृष्ठ 8 ■ कीमत 5 रु.

Inside News

पेट्रोल-डीजल पर टैक्स का गणित आपकी जेब पर भारी पड़ता और सरकार की जेब को भारी करता तेल Page 2

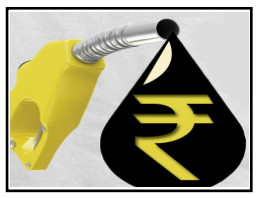

डिफेंस सेक्टर में भी मेक इन इंडिया की धूम, आत्मनिर्भर हो रहा है भारत भी Page 3

एसवीपीआईए ने रनवे के काम में राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया सिर्फ 75 दिनों में 3.5 किमी लंबा रनवे पूरा हुआ Page 5

editoria!

घटती मांग चिंताजनक

पेट्रोल और डीजल की मांग में कमी चिंताजनक संकेत है क्योंकि ऊर्जा स्रोत अर्थव्यवस्था के आधार होते हैं. विभिन्न कारणों से अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के दाम बढ़े हुए हैं. ऐसे में घरेलू बाजार पर भी दबाव है. पिछले दिनों 22 मार्च और छह अप्रैल के बीच पेट्रोल और डीजल के खुदरा मूल्य में 10 रुपये की बढ़त हुई, जो कि दो दशकों में एक पखवाड़े में हुई सबसे बड़ी वृद्धि है. इसका असर यह हुआ है कि मार्च के पहले 15 दिनों की तुलना में अप्रैल के पहले 15 दिनों में पेट्रोल की बिक्री लगभग 10 प्रतिशत और डीजल की बिक्री 15.6 प्रतिशत घट गयी. थोक और खुदरा मुद्रास्फीति की दर भी बहुत अधिक है. मार्च में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक 6.95 फीसदी तक पहुंच गया. पेट्रोल व डीजल की मांग घटने से वस्तुओं की ढुलाई में कमी आ सकती है. इससे भी महंगाई बढ़ेगी. जानकार पहले से ही आगाह कर रहे हैं कि महंगाई की दर सितंबर तक छह फीसदी से ऊपर रह सकती है. देश के कई हिस्सों में बिजली की आपूर्ति बाधित होने के आसार हैं क्योंकि कोयले की कमी हो रही है. गर्मी की वजह से बिजली की जरूरत बढ़ी हुई है. प्राकृतिक गैसों की कीमतों में भी बढ़त की गयी है. महामारी के इस काल में अभी तक रसोई गैस की मांग लगातार बढ़ती रही है, लेकिन अप्रैल के पहले पखवाड़े में इसमें 1.7 प्रतिशत की कमी आयी है. आपूर्ति श्रृंखला के अवरोधों तथा भू-राजनीतिक हलचलों के कारण औद्योगिक और उपभोक्ता वस्तुओं की लागत बढ़ रही है. उसकी भरपाई भी मुद्रास्फीति की एक वजह है. यदि अंतरराष्ट्रीय और घरेलू कारणों से पैदा हुई यह स्थिति अधिक समय तक बनी रही, तो बाजार में मांग में कमी का स्तर अधिक हो सकता है. इससे वर्तमान वित्त वर्ष में वृद्धि दर के अनुमानों को झटका लग सकता है. घटती मांग अर्थव्यवस्था में कुछ समय से हासिल उपलब्धियों पर पानी फेर सकती है. ध्यान रहे, मुद्रास्फीति की चुनौतियों के साथ-साथ अभी भी महामारी के नकारात्मक प्रभाव से हम उबर नहीं सके हैं. यह भी हमारे संज्ञान में रहना चाहिए कि देश और दुनिया के हालात में बहुत जल्दी कोई चमत्कारिक बदलाव नहीं होगा तथा आर्थिक एवं राजनीतिक स्तर पर अस्थिरता बनी रहेगी. केंद्रीय वित्त मंत्रालय और रिजर्व बैंक की ओर से भरोसा दिलाया गया है कि मुद्रास्फीति की बढ़ती दर पर उनकी निगाह है. सरकार ने भी रिजर्व बैंक से ठोस पहल करने को कहा है. जानकारों का मानना है कि रेपो रेट में बदलाव किया जा सकता है. सरकार भी पहले की तरह कीमतों में राहत देने के लिए कुछ कदम उठा सकती है. कृषि उत्पादों के बाजार में आने भी लोगों की जेब को आराम मिल सकता है. अगर मांग नहीं बढ़ेगी, तो उत्पादन भी प्रभावित होगा और रोजगार में भी कमी आ सकती है. इसलिए सुधार के प्रयास जल्दी किये जाने चाहिए.

क्रूड आयल पहुंचा 114 डॉलर के पार पेट्रोल-डीजल के दामों पर पड़ेगा असर

नई दिल्ली। एजेंसी

ग्लोबल मार्केट में कच्चा तेल ने एक बार फिर छलांग मारनी शुरू कर दी है। यूरोपीय संघ ने रूस पर नए प्रतिबंध लगा दिए जिससे क्रूड की सप्लाई पर असर पड़ा है। दूसरी ओर, कोरोना संक्रमण कम होने से चीन के शंघाई शहर में औद्योगिक गतिविधियां दोबारा शुरू होने की उम्मीद है, जिससे मांग और बढ़ जाएगी. क्रूड ही नहीं नेचुरल गैस की कीमतें (natural gas prices) भी आसमान पर जा रही हैं. ग्लोबल मार्केट में इसका रेट अभी 14 साल में सबसे ज्यादा है।

OPEC के कम उत्पादन से बढ़ीं मुश्किलें

ब्रेंट क्रूड का दाम एक बार फिर ऊपर चढ़ना शुरू हो गया है। सोमवार को ब्रेंट क्रूड 111 डॉलर प्रति बैरल के भाव था, जो आज बढ़कर 114 डॉलर पहुंच गया। तेल उत्पादक देशों के संगठन ध्ईं ने तय लक्ष्य से उत्पादन को जारी रखा है, जबकि यूरोपीय संघ की ओर से रूस पर नए प्रतिबंध लागू करने से सप्लाई और बाधित हो गई। लीबिया में भी कच्चे तेल का उत्पादन घट गया है, जबकि चीन दोबारा अपने बाजार खोल रहा जिससे खपत और बढ़ने का अनुमान है। ऐसे में पूरी गुंजाइश है घरेलू बाजार में भी पेट्रोल-डीजल के दाम दोबारा बढ़ने शुरू हो सकते हैं।

सीएनजी-पीएनजी भी और रुलाएगी

ग्लोबल मार्केट में प्राकृतिक गैस के दाम 8 डॉलर तक पहुंच गए हैं, जो 14 साल का सबसे ऊंचा भाव है। प्राकृतिक गैस की कीमतों में लगातार दूसरे महीने भी तेजी जारी है। अप्रैल में अब तक इसका भाव 38 फीसदी चढ़ा है। दूसरी ओर, भंडार में कमी आ रही। अमेरिका में नेचुरल गैस का भंडार तीन साल के निचले स्तर पर चला गया है, जबकि निर्यात 13 फीसदी बढ़ा है।

गेहूं सहित अन्य कमोडिटी में भी उछाल

एग्री कमोडिटी के भाव देखें तो गेहूं की कीमतें चार सप्ताह की ऊंचाई पर पहुंच गई हैं। ग्लोबल मार्केट में गेहूं का भाव 1,130 डॉलर प्रति टन पहुंच गया है। रूस-यूक्रेन युद्ध की वजह से अप्रैल में गेहूं 12.50 फीसदी महंगा हो चुका है। मक्के ने तो 10 साल की ऊंचाई छू लिया और उसका भाव 820 डॉलर के करीब पहुंच गया है। युद्ध संकट की वजह से काला सागर के जरिये निर्यात पूरी तरह रुक गया है, जबकि सप्लाई घटने और मांग बढ़ने से कीमतें लगातार ऊपर जा रही हैं. एक्सपर्ट का कहना है कि इस बार उत्तरी अमेरिका में सूखा पड़ने की आशंका है, जिससे एग्री कमोडिटी के दाम और बढ़ रहे हैं।

शुरुआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 19 पैसे मजबूत

आईपीटी नेटवर्क

मुंबई। एशियाई और उभरते बाजारों की मुद्राओं के सकारात्मक रुख की बीच रुपया बुधवार को शुरुआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 19 पैसे मजबूत होकर 76.31 पर पहुंच गया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनियम बाजार में रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 76.41 पर खुला, और फिर बढ़त दर्ज करते हुए 76.31 पर आ गया, जो पिछले बंद के मुकाबले 19 पैसे की वृद्धि दर्शाता है। रुपया मंगलवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 21 पैसे की गिरावट के साथ 76.50 पर बंद हुआ था। छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.32 प्रतिशत की गिरावट के साथ 100.64 पर था। इसबीच वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड वायदा 1.03 प्रतिशत बढ़कर 108.35 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर था। शेयर बाजार के अस्थाई आंकड़ों के मुताबिक विदेशी संस्थागत निवेशकों ने मंगलवार को शुद्ध रूप से 5,871.69 करोड़ रुपये के शेयर बेचे।

खुशखबरः गीडा में स्थापित होगा प्लास्टिक पार्क, रसायन एवं पेट्रो रसायन विभाग ने दी स्वीकृति

गोरखपुर। एजेंसी

जिले के गीडा में गोरखपुर-पूर्वांचल लिंक एक्सप्रेस-वे के पास भगवानपुर गांव में करीब 70 करोड़ रुपये की लागत से 88 एकड़ में प्लास्टिक पार्क बनेगा। इसकी स्वीकृति भारत सरकार के रसायन एवं पेट्रो रसायन विभाग ने दे दी है। पार्क बनने से प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रूप से 5000 लोगों को रोजगार मिलेगा। जानकारी के मुताबिक, गीडा प्रशासन ने जनवरी में प्लास्टिक पार्क बनाने की कार्ययोजना बनाई थी। प्रदेश सरकार ने इसे अंतिम स्वीकृति के लिए केंद्र सरकार को भेजा था। केंद्र सरकार के रसायन एवं पेट्रो रसायन विभाग के सचिव ने 12 अप्रैल को हुई बैठक में इसे अंतिम स्वीकृति प्रदान कर दी। प्लास्टिक पार्क के भूमि विकास व आधारभूत संरचना (भूमि मूल्य के अतिरिक्त) पर 69.58 करोड़ रुपये खर्च होंगे। इसका 34.79 करोड़ रुपये केंद्र सरकार और 34.79 करोड़ रुपये प्लास्टिक पार्क के स्पेशल पर्पय व्हीकल (एसपीवी) को वहन करना है। प्लास्टिक पार्क के संचालन के लिए एसपीवी का गठन किया जा रहा है। अब तक मध्य प्रदेश के तामोंट गांव, मध्य प्रदेश के ग्वालियर के बिलौआ गांव, ओडिशा में जगतसिंहपुर के पास प्रदीप गांव, असम के गेल्लापुखुरी, झारखंड के देवीपुर, तमिलनाडु के तिरुवल्लूर जिले के वायल्लूर में प्लास्टिक पार्क बनाए गए हैं।

पार्क में लगेंगी 92 फैक्ट्रियां

प्लास्टिक पार्क में 92 औद्योगिक भूखंड होंगे यानी 92 फैक्ट्रियां लगेंगी। साथ ही प्रशासनिक भवन, कॉमन फैसिलिटी सेंटर, यूटिलिटी शॉप्स और भंडारण इकाइयां भी संचालित होंगी। इन 90 भूखंडों का साइज 600 वर्गमीटर से 17,000 वर्गमीटर तक होगा। प्रशासनिक भवन 900 वर्गमीटर का होगा। भूतल में बैंक, कैंटीन एवं प्राथमिक चिकित्सा केंद्र होगा। प्रशासनिक भवन के प्रथम तल पर श्रमिकों के लिए डारमेट्री एवं प्रबंधकीय आवास बनेगा।

खुलेंगे तकनीकी संस्थान, शोध होगा

प्लास्टिक पार्क में तकनीकी संस्थान खुलेंगे और शोध भी होंगे। पांच एकड़ में केंद्रीय पेट्रोकेमिकल्स इंजीनियरिंग एवं तकनीकी संस्थान (सीआईपीईटी) की स्थापना होगी। सेंटर में प्लास्टिक से बनी वस्तुओं के निर्माण के लिए आधुनिक प्लांट एवं मशीनरी लगाई जाएंगी। टेस्टिंग, सर्टिफिकेशन व रिसर्च की सुविधा भी दी जाएगी। प्रस्तावित प्लास्टिक पार्क में लगभग चार एकड़ भूमि आरक्षित की गई है, जिस पर कच्चे माल की आपूर्ति व भंडारण किया जाएगा।

देश में कुल छह प्लास्टिक पार्क

अब तक मध्य प्रदेश के तामोंट गांव, मध्य प्रदेश के ग्वालियर के बिलौआ गांव, ओडिशा में जगतसिंहपुर के पास प्रदीप गांव, असम के गेल्लापुखुरी, झारखंड के देवीपुर, तमिलनाडु के तिरुवल्लूर जिले के वायल्लूर में प्लास्टिक पार्क बनाए गए हैं।

पेट्रोल-डीजल पर टैक्स का गणित

आपकी जेब पर भारी पड़ता और सरकार की जेब को भारी करता तेल

नई दिल्ली। एजेंसी

यूक्रेन पर रूस के हमले ने तेल की कीमतों को बहुत बढ़ा दिया है। तेल कंपनियां और सरकार से लेकर भारतीय रिजर्व बैंक तक, सभी बढ़ती कीमतों को लेकर अभी खास चिंतित नहीं हैं। आखिर क्या है कच्चे तेल और तेल से कमाई का गणित आज तेल से कौन कितनी कमाई कर रहा है? क्या सरकार चाहे, तो राहत दे सकती है?

अप्रैल 2021 से फरवरी 2022 के दौरान भारत ने 85.4 प्रतिशत तेल का आयात किया। वित्त वर्ष 2019-20 और 2020-21 में, आयात निर्भरता क्रमशः 85 प्रतिशत और 84.4 प्रतिशत थी। इस निर्भरता की वजह से ही तेल की कीमतें भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए मुश्किलें खड़ी कर देती हैं। बहरहाल, मई 2014 में नरेंद्र मोदी सरकार के चुने जाने के बाद से, भारत कच्चे तेल की कीमत के मोर्चे पर भाग्यशाली रहा है। चार्ट-1 पर नजर डालें, जो अप्रैल 2011 में कच्चे तेल की भारतीय बास्केट की औसत मासिक कीमत को दर्शाता है। अप्रैल 2011 से

अगस्त 2014 तक, कच्चे तेल की कीमत 100 डॉलर प्रति बैरल से अधिक थी (जून 2012 को छोड़कर जब यह औसतन 94.5 डॉलर प्रति बैरल थी)। अगस्त 2014 के बाद कीमतों में गिरावट शुरू हुई और तब से मोटे तौर पर 70 डॉलर प्रति बैरल से कम रही है। मार्च 2022 में कच्चे तेल के भारतीय बास्केट की औसत कीमत 112.9 डॉलर प्रति बैरल थी। अगस्त 2014 के बाद यह पहली बार था, जब तेल की कीमत 100 डॉलर प्रति बैरल को पार कर गई।

2021-22 की दूसरी छमाही में तेल की कीमतों में 50 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई। तेल बाजार ने रूस द्वारा यूक्रेन पर हमला करने की बढ़ती आशंका को ध्यान में रखना शुरू कर दिया था।

भारत रूस से ज्यादा कच्चे तेल का आयात नहीं करता

रूस दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा तेल निर्यातक देश है। ऑर्गनाइजेशन इकोनॉमिक कॉम्प्लेक्सिटी का डाटा बताता है कि 2020 में रूस ने 74.4 अरब डॉलर का तेल निर्यात किया। वह केवल सऊदी अरब से पीछे था, जिसने 95.7 अरब डॉलर का तेल निर्यात किया था। रूसी तेल की आपूर्ति प्रभावित होने से, वैश्विक तेल की कीमतें, आश्चर्य की बात नहीं, बढ़ गई हैं। दिलचस्प बात यह है कि भारत रूस से ज्यादा कच्चे तेल का आयात नहीं करता है। साल 2019-20 और साल 2020-21 में भारत द्वारा आयात किए गए कुल तेल का रूसी आयात क्रमशः 1.6 प्रतिशत और 1.5 प्रतिशत था। जबकि पिछले साल सितंबर से तेल की कीमतें 70 डॉलर प्रति बैरल से अधिक रही हैं, खुले बाजार में पेट्रोल और डीजल की खुदरा कीमत 2 नवंबर 2021 से 21 मार्च 2022 तक नहीं बढ़ी थी। यह मुख्य रूप से उत्तर प्रदेश और अन्य चार राज्यों में विधानसभा चुनावों के कारण था। 21 मार्च को दिल्ली और मुंबई में पेट्रोल की कीमत क्रमशः 95.41 रुपये प्रति लीटर और 109.98 रुपये प्रति लीटर थी। देश के अन्य हिस्सों में भी कीमतों में समान वृद्धि देखी गई है। इस परिदृश्य में प्रश्न यह है कि भारत की स्थिति कैसी है? पेट्रोल व डीजल की ऊंची कीमतों से निपटने के लिए क्या किया जा सकता है? यदि नहीं, तो कीमतें कम से कम मौजूदा स्तरों पर तो स्थिर रहें।

पेट्रोल और डीजल की कीमत

जैसा कि पहले उल्लेख किया गया है, पेट्रोल और डीजल, दोनों की खुदरा कीमत 21 मार्च से बढ़ी है। चार्ट-2 पर एक नजर डालिए। यह 1 अप्रैल को दिल्ली में इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन के पंपों पर 101.81 रुपये प्रति लीटर पेट्रोल की कीमत को विभिन्न मदों में बांटकर बताता है।

केंद्र और राज्य सरकार के टैक्स का गणित

आइए समझने की कोशिश करते हैं कि 101.81 रुपये प्रति लीटर की कीमत कैसे पड़ रही है। कंपनी ने पेट्रोल पंप चलाने वाले डीलरों को 53.54 रुपये प्रति लीटर पर पेट्रोल बेचा। इस पर केंद्र सरकार ने 27.9 रुपये का उत्पाद शुल्क लगाया। डीलरों को 3.83 रुपये का कमीशन भी दिया गया। ये तीनों घटक मिलकर 85.27 रुपये प्रति लीटर हो गए। इस पर, दिल्ली सरकार ने 19.4 प्रतिशत का मूल्य वर्धित कर लगाया, जो कि 16.54 रुपये होता है। इसे भी जब हम जोड़ देते हैं, तो प्रति लीटर पेट्रोल की खुदरा कीमत 101.81 रुपये हो जाती है।

एक अप्रैल को केंद्र सरकार का कर और दिल्ली सरकार का कर पेट्रोल के खुदरा मूल्य का लगभग 44 प्रतिशत था। यह अनुपात हर राज्य में अलग-अलग है। मुंबई का ही उदाहरण लीजिए। एक अप्रैल को शहर में पेट्रोल की कीमत 116.72 रुपये प्रति लीटर थी, जो दिल्ली की तुलना में लगभग 15 रुपये प्रति लीटर अधिक थी। इसका कारण सीधा है।

केंद्र के कर को छोड़ यहां पेट्रोल-डीजल पर टैक्स शून्य

महाराष्ट्र सरकार शहर में बेचे जाने वाले प्रत्येक लीटर पेट्रोल के लिए 26 प्रतिशत मूल्य वर्धित कर के साथ-साथ 10.12 रुपये अतिरिक्त शुल्क लेती है। इसलिए मुंबई में कुल ऊँ 50 रुपये प्रति लीटर से अधिक हो जाते हैं। राज्य सरकारों का कर अलग-अलग है और लक्षद्वीप व अंडमान-निकोबार द्वीप समूह में ऊँ सबसे कम है, जहां यह क्रमशः 0 प्रतिशत और एक प्रतिशत है। इसके अलावा, पेट्रोल का जो सच है, वही डीजल का भी सच है।

कच्चे तेल की कीमतें बढ़ीं क्योंकि लीबिया में कटौती से वैश्विक आपूर्ति पर चिंता बढ़ गई है

एजेंसी।

सोमवार को कच्चा तेल 3.12ऊ की तेजी के साथ 8316 पर बंद हुआ था। कच्चे तेल की कीमतें बढ़ीं क्योंकि लीबिया में कटौती से वैश्विक आपूर्ति पर चिंता बढ़ गई है और यूक्रेन संकट जारी रहा, जिससे चीनी मांग में कमी की चिंता दूर हो गई। रूस पर प्रतिबंधों से आपूर्ति के दबाव को जोड़ते हुए, लीबिया के नेशनल ऑयल कॉर्प ने सोमवार को चेतावनी दी कि 'बंद होने की एक दर्दनाक लहर' ने इसकी सुविधाओं को प्रभावित करना शुरू कर दिया है और इसके परिणामस्वरूप अल-शरारा तेल क्षेत्र और अन्य साइटों पर अप्रत्याशित परिस्थितियां पैदा हो गई हैं।

लीबिया के घटनाक्रम ने चीन में मांग के बारे में चिंता को दूर कर दिया, जहां मार्च में अर्थव्यवस्था धीमी हो गई, पहली तिमाही के विकास की संख्या को चमका दिया और कोविड -19 प्रतिबंधों से पहले से ही कमजोर एक दृष्टिकोण बिगड़ गया। सरकार ने मासिक पूर्वानुमान में कहा कि अमेरिकी कच्चे तेल का उत्पादन 2022 में 820,000 बैरल प्रति दिन बढ़कर 12.01 मिलियन बीपीडी होने की उम्मीद है। एनर्जी इंफॉर्मेशन एडमिनिस्ट्रेशन की इसी मासिक रिपोर्ट के अनुसार, 2023 में यूएस क्रूड आउटपुट 940,000 बीपीडी से बढ़कर 12.95 मिलियन बीपीडी होने की उम्मीद है। 2022 में यू.एस. की कुल पेट्रोलियम खपत 800,000 बीपीडी बढ़कर 20.58 मिलियन बीपीडी हो जाएगी। डेटा ने यह भी दिखाया कि चीन ने एक साल पहले की तुलना में मार्च में 2ऊ कम तेल परिष्कृत किया, अक्टूबर के बाद से थ्रूपुट सबसे कम हो गया क्योंकि कच्चे तेल की कीमतों में उछाल से मार्जिन कम हो गया और तंग लॉकडाउन ने मांग को नुकसान पहुंचाया। आपूर्ति के गहरे नुकसान की आशंकाएं मंडरा रही हैं। मार्च से अप्रैल की पहली छमाही में रूसी उत्पादन में 7.5ऊ की गिरावट आई है। तकनीकी रूप से बाजार में ताजा खरीदारी हो रही है क्योंकि बाजार में 23ऊ की बढ़त के साथ 4648 पर बंद हुआ है, जबकि कीमतों में 252 रुपये की तेजी आई है, अब कच्चे तेल को 8143 पर समर्थन मिल रहा है और इससे नीचे 7970 के स्तर का परीक्षण देखा जा सकता है, और प्रतिरोध अब 8418 पर देखे जाने की संभावना है, ऊपर एक कदम कीमतों का परीक्षण 8520 देख सकता है।

फिच ने भारत में गैस खपत में वृद्धि के अनुमान को घटाकर पांच प्रतिशत किया

नयी दिल्ली। आईपीटी नेटवर्क

फिच रेटिंग्स ने भारत में चालू वित्त वर्ष के दौरान गैस खपत में वृद्धि के अपने अनुमान को घटाकर पांच प्रतिशत कर दिया है।

रेटिंग एजेंसी ने कहा कि घरेलू गैस कीमतों में तेजी और उच्च एलएनजी दरों के चलते पर्यावरण के अनूकूल ईंधन को अपनाने की गति धीमी होगी। सरकार ने एक अप्रैल से छह महीने की अवधि के लिए घरेलू क्षेत्रों से प्राकृतिक गैस की कीमतों को दोगुना से अधिक बढ़ाकर 6.1 डॉलर प्रति 10 लाख ब्रिटिश थर्मल यूनिट कर दिया है। इसके बाद सीएनजी और पीएनजी की कीमतों में वृद्धि हुई है। रेटिंग एजेंसी ने कहा, "हमें उम्मीद है कि भारत में प्राकृतिक गैस की खपत वित्त वर्ष 2022-23 में पांच प्रतिशत की दर से बढ़ेगी (वित्त वर्ष 2021-22 के लिए 6.5 प्रतिशत का अनुमान), जो सात प्रतिशत वृद्धि के हमारे पिछले अनुमान से कम है।" फिच ने कहा कि हाल में घरेलू गैस की कीमतों में तेज वृद्धि और एलएनजी की उच्च कीमतों के चलते प्राकृतिक गैस को अपनाने की गति धीमी होगी। देश में इस समय कुल खपत का लगभग आधा हिस्सा घरेलू गैस उत्पादन से पूरा होता है, जबकि बाकी तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) के रूप में आयात किया जाता है। फिच ने कहा कि सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी गेल (इंडिया) लिमिटेड की प्राकृतिक गैस विपणन खंड से आय बढ़ने की संभावना है। ऐसा इसलिए है क्योंकि अमेरिका से दीर्घकालिक अनुबंधित एलएनजी की तुलना में हाजिर एलएनजी की कीमतों में बहुत अधिक बढ़ोतरी हुई है। रेटिंग एजेंसी ने कहा, "लेकिन एलएनजी की लगातार ऊंची कीमतें भारत में गैस की खपत की वृद्धि को धीमा कर देंगी।" फिच ने कहा कि सार्वजनिक क्षेत्र के ईंधन खुदरा विक्रेताओं आईओसी, बीपीसीएल और एचपीसीएल को जनवरी-मार्च 2022 तिमाही में विपणन घाटे का सामना करना पड़ सकता है। रेटिंग एजेंसी ने कहा कि हालांकि मजबूत रिफाइनिंग मार्जिन और भंडारण लाभ से निकट भविष्य में नुकसान कम हो सकता है।

भारत की प्राथमिकताओं में क्रिप्टो संपत्ति का विनियमन, डिजिटल मुद्रा शामिलः आईएमएफ अधिकारी

वाशिंगटन। एजेंसी

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के एक शीर्ष अधिकारी ने कहा कि भारत के लिए मध्यावधि की प्राथमिकताओं में क्रिप्टो संपत्ति का विनियमन और डिजिटल मुद्रा शामिल हैं। आईएमएफ के वित्तीय सलाहकार और मौद्रिक तथा पूंजी बाजार विभाग के निदेशक टोबियास एड्रियन ने मंगलवार को यह बात कही। उन्होंने बताया कि इसके अलावा बैंकिंग क्षेत्र में शेष नियामक चिंताओं को दूर करने और वैश्विक अर्थव्यवस्था के साथ एकीकरण जैसे संरचनात्मक मुद्दों पर भी भारत खास जोर दे रहा है। उन्होंने कहा कि कुल मिलाकर आईएमएफ भारत को "एक बेहद सकारात्मक तरीके से देख रहा है।" उन्होंने आईएमएफ और विश्व बैंक की वार्षिक वसंत बैठक के मौके पर कहा, "मुझे लगता है कि कई अवसर हैं। (भारत में) पुनरुद्धार हो रहा है। नए वृद्धि के अवसरों, नए विकास के बारे में बहुत उत्साह है।" उन्होंने कहा, "हम हमेशा मानते हैं कि विकास समावेशी है, और सभी लोगों को प्रभावित कर रहा है, लेकिन भारत को लेकर हमारा सामान्य नजरिया काफी सकारात्मक है।" एड्रियन ने कहा कि मध्यावधि में संरचनात्मक मुद्दों की बात करें तो भारत के एजेंडे में क्रिप्टो करेंसी परिसंपत्तियों को विनियमित करना काफी ऊपर है। देश को आने वाले वर्षों में इसका समाधान तलाशना होगा। उन्होंने आगे कहा कि भारत का केंद्रीय बैंक डिजिटल मुद्राओं पर विचार कर रहा है, जो वित्तीय समावेशन और वित्तीय विकास के लिए काफी महत्वपूर्ण हो सकता है। उन्होंने कहा, "भारत क्या कर रहा है, इस पर हमारी नजर है। हम इन नीतिगत घटनाक्रमों का स्वागत करते हैं।"

डिफेंस सेक्टर में भी मेक इन इंडिया की धूम, आत्मनिर्भर हो रहा है भारत भी

नई दिल्ली। रक्षा के क्षेत्र में भारत को आत्मनिर्भर बनाने के लिए कई कदम उठाए जा रहे हैं। इन कदमों का नतीजा दिखने भी लगा है। भारत की डिफेंस इंडस्ट्री को बढ़ावा देने के लिए वित्त वर्ष 2021-22 में रक्षा मंत्रालय (श्ध्ऊ) ने देशी कंपनियों से 64 फीसदी खरीद का लक्ष्य तय किया था। मंत्रालय ने इस लक्ष्य को न सिर्फ पूरा किया है बल्कि उससे ज्यादा खरीद की है।

65 फीसदी से भी ज्यादा हुई खरीद

रक्षा मंत्रालय के मुताबिक वित्त वर्ष की समाप्ति पर कुल बजट के 65.50 फीसदी खरीद इंडियन इंडस्ट्री (घ्र्हिं घ्हूल्ब्) से की गई। रक्षा मंत्रालय के एक अधिकारी के मुताबिक डिफेंस सेक्टर को आत्मनिर्भर बनाने में इंडियन इंडस्ट्री ने अहम योगदान दिया है। सरकार उनके रास्ते की बाधा दूर कर रही है। इंडस्ट्री भी नई-नई तकनीक पर आगे बढ़ने के लिए लगातार प्रयासरत है। रक्षा क्षेत्र की भारतीय कंपनियां स्वदेशी जरूरतें तो पूरी करने की कोशिश कर ही रही हैं, साथ ही दूसरे देशों में भी अपनी पकड़ मजबूत कर रही हैं।

फिलीपींस की भी कर रहे हैं मदद

रक्षा क्षेत्र से जुड़े साजो सामान बनाने वाली भारतीय कंपनी एमकेयू के चेयरमैन मनोज गुप्ता ने बताया कि उनकी कंपनी फिलीपींस सरकार को फोर्स के मॉर्डनाइजेशन में भी सपोर्ट कर रही है। एमकेयू उन्हें बैलेस्टिक और ऑप्ट्रोनिक सोल्यूशंस दे रहा है। उन्होंने उम्मीद जतायी कि भारत के डिफेंस क्षेत्र से जुड़ी तकनीक ग्लोबल हो जाएंगी। इंडियन इंडस्ट्री मिलकर 'मेक इन इंडिया फॉर द वर्ल्ड' को आगे बढ़ाएंगे।

किन चीजों की हो सकती है सप्लाई

ग्लोबल फायरपावर मिलिट्री स्ट्रेंथ रैंकिंग-2022 में फिलीपींस 142 देशों में 51वें नंबर पर है। उनके मॉर्डनाइजेशन का अभियान भारतीय डिफेंस और सिक्योरिटी सॉल्यूशंस कंपनियों को मौके देता है। भारतीय कंपनियां उन्हें व्हीकल, एयरक्राफ्ट, शिप, वेपन सिस्टम्स, प्रोटेक्टिव इक्विपमेंट्स, इंटेलिजेंस एंड सर्विलांस सिस्टम सप्लाई कर सकती हैं। फिलीपींस ने हाल ही में भारत से ब्रह्मोस का एंटी शिप वेरिएंट सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल के लिए डील भी की है।

आईएमएफ के ग्लोबल अनुमान घटाने से

कच्चे तेल की कीमतों पर दबाव, 1950 डॉलर के नीचे आया सोना

एजेंसी

आईएमएफ के ग्लोबल अनुमान घटाने से कच्चे तेल की कीमतों पर दबाव दिखाई दे रहा है। वहीं डॉलर और बॉन्ड यील्ड में मजबूती से सोने और चांदी की चमक भी फीकी पड़ गई है। लेकिन डिमांग और सप्लाई का अंतर बढ़ने से स्टील की कीमतों में तेजी है। एग्री की बात करें तो उधर ण्इ्ध के दाम लगातार ऊपर बने हुए हैं।

IMF का ग्लोबल अनुमान घटाने से कच्चे तेल की कीमतों नरमी

सबसे पहले बात करते हैं कच्चे तेल की। घ्इ्इ का ग्लोबल अनुमान घटाने से कच्चे तेल की कीमतों नरमी आई है और इसका भाव नीचे की तरफ 107 डॉलर तक आ गया है। ब्रेंट एक दिन में 6 डॉलर से ज्यादा टूटा है। वहीं, WTI एक दिन में 5 डॉलर से ज्यादा टूटा है। IMF ने ग्लोबल ग्रोथ अनुमान घटाया है। चीन में फिर कोरोना के मामलों में तेजी आती नजर आ रही है। इस सबका असर क्रूड पर नजर आ रहा है। चीन में 1 दिन में कोरोना के 2700 से ज्यादा मामले आए हैं। अकेले शंघाई में 2400 से ज्यादा नए मामले दर्ज किए गए हैं। चीन में एक बार फिर सख्त लॉकडाउन की संभावना बढ़ी है। मांग में कमी की संभावना से भी दबाव बना है। OPEC+ ने मार्च में 14.5 लाख BPD का उत्पादन किया है।

1950 डॉलर के नीचे आया सोना

उधर सोना भी 1950 डॉलर के नीचे आ गया है। सोना 2 दिनों में 40 डॉलर टूटा है। MCX पर सोना 52400 रुपए के नीचे है। सोना 2 दिनों में 1000 रुपए से ज्यादा गिरा है। मजबूत डॉलर और बॉन्ड यील्ड ने दबाव बनाया है। COMEX पर चांदी भी 26 डॉलर के नीचे आ गई है। चांदी का भाव 2 दिनों में करीब 4% गिरा है।

6 महीने की ऊंचाई पर पहुंचा स्टील

स्टील भी 6 महीने की ऊंचाई पर पहुंच गया है। स्टील 5200 चीनी युआन के करीब दिख रहा है। देश में स्टील का भाव 58000 रुपए के ऊपर है। स्टील की मांग, सप्लाई में अंतर बढ़ा है। चीन ने स्टील का उत्पादन घटाया है। चीन में मार्च में स्टील का उत्पादन 6% गिरा है। वहीं, जापान ने स्टील प्रोजक्ट्स के दाम 2-3% बढ़ाए हैं।

CPO की कीमतों में फिर उछाल

एग्री की बात करें तो ण्इ्ध की कीमतों में फिर उछाल देखने को मिला है। इसके भाव 6400 रिंग्गित के करीब पहुंच गए हैं। सोया ऑयल की तेजी से दाम चढ़े हैं। सप्लाई घटने से भी दाम चढ़े हैं। मलेशिया का एक्सपोर्ट 23% गिरा है। मलेशिया CPO के दाम 6400 रिंग्गित के करीब पहुंच गए हैं। इसका जुलाई वायदा 6542 रिंग्गित तक पहुंच गया है। कीमतों पर रूस-यूक्रेन युद्धा का भी असर देखने को मिल रहा है। 55वें दिन भी रूस-यूक्रेन युद्ध जारी है। सनफ्लावर ऑयल की कमी से भी दाम चढ़े हैं। मलेशिया का एक्सपोर्ट मध्य अप्रैल तक 14% -23% गिरा है। भारत में मार्च में ण्इ्ध का इंपोर्ट 18.7% बढ़ा है।

भारत 2047 तक उच्च आय वाला देश बनने की आकांक्षा लेकर चले : अमिताभ कांत

नयी दिल्ली। आईपीटी नेटवर्क

नीति आयोग के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) अमिताभ कांत का मानना है कि भारत को 2047 तक उच्च-आय वाला देश बनने का लक्ष्य लेकर चलना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत को अपनी इस आकांक्षा को हासिल करने के लिए साल-दर-साल सतत आर्थिक वृद्धि की जरूरत होगी।

कांत ने बुधवार को यहां एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि यदि भारत अपने निजी क्षेत्र की ताकत का इस्तेमाल करता है, तो वह आगे बढ़ सकता है। ''हमारी प्रति व्यक्ति आय करीबन 2,000 अमेरिकी डॉलर है। भारत एक निम्न मध्यम आय वाला देश है।'' नीति आयोग के सीईओ ने कहा, ''हमारी आकांक्षा 2047 तक उच्च आय वाला देश बनने की होनी चाहिए। इसे साल-दर-साल सतत वृद्धि से हासिल किया जा सकता है।'' कांत ने कहा कि 1947 तक दक्षिण कोरिया, चीन और भारत की प्रति व्यक्ति आय कमोबेश एक समान होगी। ''इसके 75 साल बाद दक्षिण कोरिया की आय भारत से सात गुना होगी।'' उन्होंने कहा कि चीन और दक्षिण कोरिया ने एक-के-बाद-एक साल में 10 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है। ''यदि भारत ऊंची वृद्धि दर हासिल नहीं करता है, तो यह निम्न आय वृद्धि के परिवेश में ही 'फंसा' रहेगा।'' कांत ने कहा कि आज अफसरशाही की वजह से कारोबार का आगे बढ़ना मुश्किल है। ''हमने ऐसे नियम और नियमन बनाए हैं, जो उद्यमिता को समाप्त करने वाले हैं।'' उन्होंने कहा कि अधिकारियों को सार्वजनिक-निजी-भागीदारी की परियोजनाओं के पुनर्गठन, परियोजनाओं से जोखिम समाप्त करने की 'कला' सीखनी होगी और निजी क्षेत्र से अधिक भागीदारी सुनिश्चित करनी होगी।

बूस्टर डोज के लिए सवा 11 रुपये भरनी पड़ रही जीएसटी, 386 रुपये 25 पैसे की पड़ रही एक डोज

नई दिल्ली। एजेंसी

कोरोना संक्रमण की रोकथाम के लिए जहां प्रदेश सरकार की तरफ से केंद्र सरकार के सहयोग से लगातार वैक्सीनेशन अभियान चलाया जा रहा है। सभी आयु वर्गों को पहली व दूसरी डोज लगने के बाद अब बूस्टर डोज के लिए शुल्क देना होगा। खासकर 60 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों के लिए जिले में पंजीकृत किए गए 24 विभिन्न निजी अस्पतालों में डोज 386 रुपये 25 पैसे में लगाई जा रही है। इसमें जीएसटी 11 रुपये 25 पैसे है। वहीं चार्ज के तौर पर 150 रुपये तक निजी अस्पताल ले सकेंगे।ऊधमसिंहनगर जिले में बूस्टर डोज निजी अस्पतालों में सशुल्क वैक्सीन की डोज लगवाने वालों की संख्या मात्र 42 तक पहुंची है। इसमें अभी तक काशीपुर के निजी अस्पताल सहोता में ही डोज लगाई जा रही है। एसीएमओ व जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डा. तपन कुमार शर्मा ने बताया कि निजी अस्पतालों को सीधे वैक्सीन निर्माता कंपनी से एक डोज की कीमत 225 रुपये पड़ रही है। चार्ज के तौर पर अस्पताल 150 रुपये से अधिक नहीं ले सकते, चाहें तो वह यह शुल्क छोड़ सकते हैं। एसीएमओ ने बताया कि डोज की कीमत इस तरह जीएसटी के सवा 11 रुपये और मिलाकर कुल 386 रुपये 25 पैसे एक डोज के भुगतान करने होंगे। एसीएमओ का कहना था कि बूस्टर डोज के लिए निजी अस्पतालों को सरकार ने अनुमति प्रदान की है। रोजाना कितनी डोज लगाई जा रही है इसकी रिपोर्ट प्रतिदिन वह सीएमओ कार्यालय को देंगे। वहीं निशुल्क डोज जो पूर्व से लगाई जा रही हैं वह विभिन्न वैक्सीनेशन सेंटर्स पर विभाग की तरफ से लगाई जाएंगी।

News यू केन USE

विश्व बैंक श्रीलंका को आपातकालीन सहायता देने को तैयार: रिपोर्ट

कोलंबो/वाशिंगटन। एजेंसी

विश्व बैंक श्रीलंका को आपातकालीन सहायता देने और देश में अभूतपूर्व आर्थिक संकट के बीच कमजोर वर्ग के लोगों की मदद करने को तैयार है। एक मीडिया रिपोर्ट में बुधवार को विश्व बैंक के एक वरिष्ठ अधिकारी के हवाले से यह जानकारी दी गई। श्रीलंका इस समय दिवालिया होने की कगार पर है और 1948 के बाद से सबसे भीषण आर्थिक संकट का सामना कर रहा है। कोलंबो गजट ने बुधवार को बताया कि विश्व बैंक के उपाध्यक्ष हार्टविग शेफर ने मंगलवार को वाशिंगटन में श्रीलंका के वित्त मंत्री अली साबरी के साथ बातचीत की। साबरी अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) और विश्व बैंक की वार्षिक वसंत बैठकों के लिए अमेरिका में हैं। रिपोर्ट में कहा गया कि साबरी और शेफर ने आर्थिक संकट को दूर करने के उपायों, स्थिरीकरण के लिए मदद और कमजोर वर्गों की रक्षा करने पर चर्चा की। शेफर ने कहा कि विश्व बैंक गरीबों और कमजोर लोगों पर संकट के प्रभाव को लेकर अत्यधिक चिंतित है और दवाओं, स्वास्थ्य संबंधी आपूर्ति, पोषण तथा शिक्षा के लिए आपातकालीन मदद देने को तैयार है।

कमजोर येन, महंगे तेल के चलते जापान का व्यापार घाटा मार्च में अनुमान अधिक रहा

तोक्यो। एजेंसी

जापान का व्यापार घाटा मार्च में अनुमान से अधिक रहा है। सरकार ने बुधवार को यह जानकारी दी। कमजोर येन और तेल तथा खाद्य जरूरतों के आयात की बढ़ती लागत के कारण ऐसा हुआ। जापान का व्यापार घाटा मार्च में 412 अरब येन (3.2 अरब डॉलर) रहा, जो इससे पिछले महीने के घाटे 670 अरब येन के मुकाबले कम है, लेकिन विश्लेषकों के अनुमान के मुकाबले काफी अधिक है। दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था ने पिछले साल समान अवधि में 615 अरब येन का अधिशेष हासिल किया था। कमजोर येन जापानी निर्यात को विदेशों में अधिक प्रतिस्पर्धी बनाता है, लेकिन इससे उपभोक्ताओं और व्यवसायों, दोनों के लिए लागत भी बढ़ती है। जापान के वित्त मंत्री शुनिची सुजुकी ने डॉलर की तेजी पर चिंता जताते हुए कहा कि विनिमय दरों में अचानक बदलाव से व्यापार जोखिम बढ़ जाता है।

सीए, लागत लेखाकार, कंपनी सचिव संबंधी कानून में संशोधन को राष्ट्रपति की मंजूरी

नयी दिल्ली। आईपीटी नेटवर्क

चार्टर्ड अकाउंटेंट (सीए), लागत लेखाकार और कंपनी सचिवों से जुड़े कानूनों में संशोधन करने वाले विधेयक को राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद की मंजूरी मिल गई है। यह विधेयक इन तीनों व्यवसायों के शीर्ष संस्थानों के कामकाज के संबंध में पर्याप्त परिवर्तन करने के साथ अधिक पारदर्शिता सुनिश्चित करेगा। इसे पांच अप्रैल को ही संसद ने मंजूरी दे दी थी। इस संबंध में जारी अधिसूचना के अनुसार चार्टर्ड एकाउंटेंट्स, लागत और कार्य लेखाकार और कंपनी सचिव (संशोधन) अधिनियम, 2022 को राष्ट्रपति की मंजूरी मिल गई है। अधिसूचना के अनुसार इस विधेयक के लिए चार्टर्ड अकाउंटेंट्स अधिनियम, 1949, लागत और कार्य लेखाकार अधिनियम, 1959 और कंपनी सचिव अधिनियम, 1980 में संशोधन किया है। वित्त और कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण ने इस बारे में पांच अप्रैल को राज्यसभा में कहा था, ' मुझे लगता है कि इस विधेयक से तीनों शीर्ष संस्थानों के कामकाज में अधिक पारदर्शिता लाने और गुणवत्ता सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी।'

पीएमईजीपी के तहत 2021-22 में 8.25 लाख से अधिक रोजगार का सृजन: सरकार

नयी दिल्ली। एजेंसी

सरकार ने मंगलवार को कहा कि प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पीएमईजीपी) के तहत पिछले वित्त वर्ष में 1.03 लाख नई विनिर्माण और सेवा इकाइयां गठित हुई हैं। इन इकाइयों के साथ 8.25 लाख से अधिक रोजगार सृजित हुए हैं। सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यम (एमएसएमई) मंत्रालय ने एक बयान में कहा, ''वित्त वर्ष 2020-21 की तुलना में पीएमईजीपी के तहत 2021-22 में इकाइयों के गठन और रोजगार सृजन में 39-39 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। जबकि सब्सिडी यानी मार्जिन धन का वितरण भी 36 प्रतिशत बढ़ा है।''

मंत्रालय के अनुसार, 2008 में कार्यक्रम शुरू किये जाने के बाद यह पहली बार है, जब खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) ने पिछले वित्त वर्ष में एक लाख से अधिक नई इकाइयां गठित कीं। बयान में कहा गया है, ''कुल 12,000 करोड़ रुपये की पूंजी के साथ 1,03,219 इकाइयों का गठन हुआ है। इसमें केवीआईसी ने सब्सिडी के रूप में 2,978 करोड़ रुपये जारी किये। जबकि बैंक कर्ज लगभग 9,000 करोड़ रुपये रहा। केवीआईसी ने 2021-22 में जो 2,978 करोड़ रुपये की 'मार्जिन मनी' सब्सिडी दी है, वह 2008 के बाद से सबसे अधिक है। बयान के मुताबिक, पूरे देश में 8,25,752 नौकरियां सृजित हुईं। इससे पहले, पीएमईजीपी के तहत इतनी संख्या में नौकरियों के अवसर नहीं बने थे। कुल मिलाकर, पीएमईजीपी के तहत 2014-15 से गठित इकाइयों की संख्या 114 प्रतिशत बढ़ी। वहीं रोजगार सृजन 131 प्रतिशत बढ़ा, जबकि 'मार्जिन मनी' सब्सिडी वितरण 165 प्रतिशत बढ़ा।

केवीआईसी के चेयरमैन विनय कुमार सक्सेना ने कहा कि रोजगार सृजन में उल्लेखनीय तेजी का कारण आत्मनिर्भर बनने के लिये प्रधानमंत्री का स्थानीय विनिर्माण पर जोर है। उन्होंने कहा, ''कोविड -19 महामारी के मद्देनजर स्थानीय विनिर्माण और स्वरोजगार पर जोर ने आश्चर्यजनक परिणाम दिया है। पीएमईजीपी के तहत बड़ी संख्या में युवा, महिला और प्रवासी स्वरोजगार के लिये प्रेरित हुए।''

दोपहिया वाहन की मांग पिछले वर्ष की तुलना में घटी: इक्रा

नयी दिल्ली। एजेंसी

देश में दोपहिया वाहनों की मांग में कमी बनी हुई है। इसके विपरित यात्री और वाणिज्यिक वाहनों की मांग में पिछले साल की तुलना में उछाल देखने को मिला है। रेटिंग एजेंसी इक्रा द्वारा किए गए एक सर्वे में यह जानकारी दी गई। इक्रा ने कहा कि वाहन डीलरों को हाल के दिनों में काफी प्रतिकूल परिस्थितियों का सामना करना पड़ा है। इसमें दोपहिया की मांग में कमी, आपूर्ति दिक्कतों की वजह से यात्री वाहनों की बिक्री पर असर और ट्रैक्टर खंड में वृद्धि को सीमित करने वाला उच्च आधार प्रभाव शामिल हैं। इक्रा ने कहा कि वाहन डीलरों की धारणा का पता लगाने के लिए उसने यह सर्वे किया है। विभिन्न खंडों के लिए मौजूदा मांग और आपूर्ति के रुझान को समझने के लिए उसने ग्रामीण, अर्द्धशहरी और महानगर क्षेत्र के दोपहिया, यात्री, वाणिज्यिक वाहन और ट्रैक्टरों की बिक्री करने वाले 22 डीलरों की राय ली है। सर्वे में करीब 53 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने संकेत दिया कि यात्री वाहन और वाणिज्यिक वाहन खंड में मांग पिछले वर्ष की तुलना में बेहतर है।

इक्रा ने कहा कि सेमीकंडक्टर की कमी की वजह से वाहनों का उत्पादन प्रभावित हुआ है, जिसके चलते उद्योग आपूर्ति की कमी से जूझ रहा है। मांग, आपूर्ति से अधिक होने के कारण यात्री वाहन खंड सबसे अधिक प्रभावित हुआ है। इक्रा ने कहा, ''लगभग 92 प्रतिशत यात्री वाहन डीलरों कहा कि आपूर्ति की कमी के कारण पिछले वर्ष की तुलना में प्रतीक्षा अवधि (वेटिंग पीरियड) बढ़ गई है। वहीं 60 प्रतिशत ने कहा कि प्रतीक्षा अवधि की वजह से उपभोक्ता वाहनों की बुकिंग रद्द नहीं कर रहे हैं।''

कतर एयरवेज, इंडिगो ने अपनी 'कोडशेयर' भागीदारी को फिर शुरू किया

नयी दिल्ली। एजेंसी

विमानन कंपनी कतर एयरवेज और इंडिगो ने अपनी 'कोडशेयर भागीदारी' को फिर शुरू करने का फैसला किया है। भारत से 27 मार्च से अनुचसूचित अंतरराष्ट्रीय यात्री उड़ानों को फिर से शुरू किये जाने के बाद यह निर्णय लिया गया है। कोडशेयर साझेदारी के तहत प्रत्येक कंपनी अपनी वितरण प्रणाली पर दूसरे की उड़ानों की सीटें बेच सकती है। इंडिगो ने नवंबर, 2019 में कतर एयरवेज के साथ कोडशेयर समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। मंगलवार को दोनों कंपनियों ने संयुक्त बयान में कहा, ''इस विस्तारित 'कोडशेयर समझौते' के तहत कतर एयरवेज 25 अप्रैल से शुरू होने वाली दोहा और दिल्ली, मुंबई, हैदराबाद और नौ मई से शुरू होने वाली चेन्नई, बेंगलुरु और कोच्चि और कोझीकोड उड़ानों पर अपना 'विपणन कोड' डालना शुरू करेगी। कतर एयरवेज वर्तमान में भारत में दिल्ली, मुंबई, हैदराबाद, बेंगलुरु, चेन्नई, कोच्चि, कोझीकोड, अहमदाबाद, अमृतसर, गोवा, कोलकाता और तिरुवनंतपुरम के लिए हर सप्ताह 190 उड़ानों का संचालन कर रही है।

भुगतान समाधान को लेकर रूस, भारत के बीच बातचीत जारी: रूसी राजनयिक

मुंबई। एजेंसी

रूस के एक राजनयिक ने यूक्रेन संकट मामले में भारत के रुख की सराहना की है। उन्होंने कहा कि पश्चिमी देशों के प्रतिबंधों के बीच रूस और भारत भुगतान के मामले में समाधान तलाशने का प्रयास कर रहे हैं। रूस के महावाणिज्यदूत एलेक्सेई व्लादिमीरोविच सुरोवत्सेव ने यहां कहा कि रूस के यूक्रेन पर हमले और उसके बाद पश्चिमी देशों की उसपर पाबंदियों से जटिल स्थिति पैदा हुई है। पाबंदी के तहत पश्चिमी देशों और कंपनियों ने रूस के साथ व्यापार संबंधों को समाप्त कर दिया है। इससे भारतीय निर्यात के लिये गुंजाइश बढ़ी है। वर्ल्ड ट्रेड सेंटर में आयोजित सेमिनार के दौरान अलग से बातचीत में उन्होंने कहा कि व्यापार सौदों के निपटान के लिये भुगतान को लेकर रूसी अधिकारी भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के अधिकारियों के साथ बातचीत कर रहे हैं। सुरोवत्सेव ने कहा, ''हमारे मंत्री, हमारे लोग भुगतान को लेकर समस्या के निपटान पर काम कर रहे हैं। इस बारे में मुंबई में आरबीआई के साथ तथा दिल्ली में आपकी सरकार तथा हमारे उपयुक्त लोगों के बीच बातचीत जारी है।'' यूक्रेन पर रूस के हमले के बाद पश्चिमी देशों ने रूस पर कई प्रतिबंध लगाए हैं। इसके तहत रूस को भुगतान प्रणालियों से अलग कर दिया गया है। इससे व्यापार के निपटान को लेकर सवाल खड़े हुए हैं। उन्होंने यूक्रेन पर हमले के बाद उत्पन्न हालात में भारत के कूटनीतिक रुख की सराहना भी की।

छिंदवाड़ा के संतरों को मिली नई पहचान, नाम मिला '' सतपुड़ा आरेंज''

भोपाल। आईपीटी नेटवर्क

मध्यप्रदेश के छिंदवाड़ा जिले में उगाए जाने वाले संतरे अब पड़ोसी राज्य महाराष्ट्र के नागपुर में उत्पादित संतरे से अपनी एक अलग पहचान बनाएंगे और सरकार की ''एक जिला एक उपज'' योजना के तहत 'सतपुड़ा ऑरेंज' कहलाएंगे। एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि अधिकारियों ने फल के लिए एक क्यूआर कोड भी बनाया है जिससे किसी व्यक्ति द्वारा कोड स्कैन करते ही किस्म के बारे में सारी जानकारी सामने आ जाएगी।

मध्यप्रदेश जनसंपर्क विभाग के एक अधिकारी ने कहा, '' बहुत कम लोग जानते हैं कि नागपुर में संतरे का एक बड़ा हिस्सा छिंदवाड़ा जिले से आता है। इसने नागपुर

को ऑरेंज सिटी का टैग दिलाने में प्रमुख भूमिका अदा की है।'' उन्होंने कहा कि सरकार की एक जिला एक उत्पाद प्रोत्साहन योजना के तहत छिंदवाड़ा में उगाए जाने वाले संतरे को ''सतपुड़ा ऑरेंज'' के रुप में जाना जाएगा। छिंदवाड़ा में पैदा होने वाले संतरे का छिलका पतला होता है और ये मीठे और रसीले होते हैं। अधिकारी ने कहा कि इससे विशिष्ट गुणों के कारण किसान सीधे बहुराष्ट्रीय कंपनियों को फल बेच रहे हैं। उन्होंने कहा कि ये संतरे छिंदवाड़ा जिले के पांढुर्ना, सौसर, बिछुआ और अन्य विकास खंडों में लगभग 25 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में उगाए जाते हैं। अधिकारी ने कहा कि इस क्षेत्र में लगभग 4.5 लाख टन संतरे का उत्पादन होता है जिसमें से 60 से 70 प्रतिशत नागपुर के व्यापारियों द्वारा प्राप्त किया जाता है और वहां से यह अन्य राज्यों और बांग्लादेश में पहुंचता है।

इस वर्ल्ड हैरिटेज़ डे पर ऑल-न्यू रॉयल एनफील्ड क्लासिक 350 पर सवार होकर इंदौर में इन 5 महत्वपूर्ण जगहों की यात्रा कीजिए

वर्ल्ड हैरिटेज़ डे हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विविधता और हमारी प्राचीन विरासत का संरक्षण करने के महत्व की जानकारी बढ़ाने के लिए मनाया जाता है। इस दिन को मनाने का उद्देश्य अपनी विरासत को आगे बढ़ाने और हमारी संस्कृति की रक्षा करने के महत्वपूर्ण संदेश को युवा पीढ़ी तक पहुंचाना है। भारत के मध्य में स्थित केंद्रीय क्षेत्र, इंदौर का एक वैभवशाली इतिहास व संस्कृति है। इस शहर की समृद्ध विरासत और इतिहास के कारण यह भारत के सबसे लोकप्रिय पर्यटक स्थलों में से एक है। मध्यप्रदेश के इस सबसे बड़े शहर में ऐतिहासिक इमारतों, समकालीन संरचनाओं और उत्कृष्ट वास्तुकला का अद्वितीय संगम देखने को मिलता है।

इस खूबसूरत शहर की संस्कृति के अनुरूप ही, रॉयल एनफील्ड भी सन 1901 से दृढ़ता, लंबे इतिहास और विश्वसनीयता का प्रतीक है। इसने मोटरसाईकल की सवारी का शुद्ध अनुभव प्रदान करने के लिए आधुनिक टेक्नॉलॉजी के साथ पारंपरिक क्राफ्ट्समैनशिन का संगम कर सरल और सामंजस्यपूर्ण क्लासिक मोटरसाईकल बनाने की विरासत का संरक्षण किया है। इस वर्ल्ड हैरिटेज़ डे के अवसर पर आप ऑल-न्यू क्लासिक 350 मोटरसाईकल पर सवार होकर इन 5 खूबसूरत जगहों के सुंदर रास्तों की आरामदायक राईड का आनंद ले सकते हैं:

जाम दरवाजा - जाम दरवाजा मध्यप्रदेश में एक पिकनिक स्पॉट है, जो इंदौर से लगभग 50 किलोमीटर दूर है। एक नज़दीकी गांव के नाम पर आधारित यह जगह मशहूर मालवा पठार का द्वार भी कही जाती है। इस बात से पता चलता है कि मध्यप्रदेश के इतिहास में इस जगह का कितना सामरिक महत्व रहा होगा। इस जगह क्लासिक 350 पर सवार होकर जाने पर मार्ग के सुंदर दृश्य, सूर्योदय और सूर्यास्त के आकर्षक व्यू और निमाड़ के लुभावने मैदान आपका मन मोह लेंगे।

राजवाड़ा पैलेस - 1766 में होलकर वंश के शासकों द्वारा

बनाया गया भव्य राजवाड़ा पैलेस इंदौर में घूमने के लिए सबसे उत्तम स्थानों में से एक है। सात मंजिल का यह महल मराठा, फ्रेंच, और मुगल वास्तुकला का मिश्रण प्रस्तुत करता है, और ऑल-न्यू क्लासिक 350 के समान ही शाही वैभव तथा पुरातनता एवं आधुनिकता के उत्तम मिश्रण के साथ उत्कृष्ट वास्तुकला का एक अप्रतिम उदाहरण है। महल में प्रवेश के लिए एक विशाल व भव्य प्रवेश द्वार है, जो लोहे के स्टड्स के साथ लकड़ी का बना हुआ है। मुख्य भवन में एक विशाल गलियारा, खूबसूरत बालकनी और खिड़कियां, झरोखे, विशाल नक्काशीदार लकड़ी की जालियां, कॉरिडोर और गैलरी वाले कमरे हैं। क्लासिक 350 पर घूमने के लिए यह एक बेहतरीन स्थान है।

लाल बाग पैलेस - इंदौर के मुख्य ऐतिहासिक स्थलों में से एक लालबाग पैलेस है, यह भव्य इमारत एक समय होलकर शासकों का आवास हुआ करती थी। इस भवन में भव्य प्रवेश द्वार, गुलाबों का बाग, भारतीय और इटैलियन कलाकारों की शाही कलाकृतियां और एक उत्तम बॉलरूम है। लालबाग पैलेस की खूबसूरत सजावट और साज-सज्जा में दीवार पर खूबसूरत नक्काशी, झूमर, महंगे कालीन, और संगमरमर का फर्श की खूबसूरती में आप खो जाएंगे। ऑल-न्यू क्लासिक 350 पर सवार होकर घूमने के लिए यह खूबसूरत स्थान बहुत उत्तम है।

कृष्णपुरा की छत्री - गुंबद के आकार में कृष्णपुरा की छत्री 17 वीं सदी से खान नदी के तट पर स्थित है। यह अद्वितीय स्थान खूबसूरत नक्काशीपूर्ण एक्सटीरियर और आकर्षक स्तंभों द्वारा बना है। इसकी स्थापना इंदौर के राजपरिवार, होलकर वंश ने कराई थी। जिस प्रकार ऑल-न्यू क्लासिक 350 राईड के आधुनिक और रिफाईंड अनुभव के साथ सर्वोत्कृष्ट और कालातीत डिज़ाईन का समावेश करती है, उसी प्रकार ये छत्रियां पिछले शासकों और उनके परिवार के सदस्यों के इतिहास को दर्शाने वाले स्मारकीय मकबरे हैं। सबसे मशहूर छत्री, कृष्णपुरा की छत्री है, जिसका नाम उस समय की शासिका रानी, कृष्णा बाई होलकर के नाम पर रखी गई थी, जो मशहूर सैन्य राजा, यशवंतराव होलकर की पत्नी थीं।

गांधी हॉल - खूबसूरत गांधी हॉल इंदौर शहर की वास्तुकला का एक प्रभावशाली उदाहरण है। इस विशाल भवन का निर्माण साल 1904 में किया गया था और आज यह शहर का टाउन हॉल भवन है, जहां पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों और कला प्रदर्शनियों का आयोजन होता है। लाल और सफेद रंग के इस भवन का डिज़ाईन वास्तुकार चार्ल्स फ्रेडरिक स्टीवंस ने किया था और इसे पूर्व में किंग एडवार्ड हॉल कहा जाता था, पर सन 1948 में महात्मा गांधी की मृत्यु के बाद इस भवन का नाम बदलकर गांधी हॉल रख दिया गया। अपने आलीशान गुंबदों, छतों पर भित्तिचित्रों खूबसूरत मीनारों और मोल्डिंग्स के साथ इंडो-गोदिक स्टाईल का यह भवन घूमने के लायक है और आपको ऑल-न्यू क्लासिक 350 पर सवार होकर यहां पर अवश्य जाना चाहिए।

एसवीपीआईए ने रनवे के काम में राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया

सिर्फ 75 दिनों में 3.5 किमी लंबा रनवे पूरा हुआ

अहमदाबाद। अदाणीग्रुप द्वारा प्रबंधित सरदार वल्लभभाई पटेल इंटरनेशनल एयरपोर्ट (एसवीपीआईए) ने अपने 3.5 किलोमीटर लंबे रनवे पर 75 दिनों के रिकॉर्ड समय में रीकार्पेटिंग का काम पूरा कर लिया है। यह अवधि भारत में ब्राउनफील्ड रनवे के लिए सर्वकालिक सर्वश्रेष्ठ है।

अहमदाबाद का एसवीपीआईए गुजरात का सबसे व्यस्त हवाई अड्डा है, जहां पूर्व-कोविड समय में हर दिन 200 से अधिक उड़ानें होती रही हैं। अदाणी एयरपोर्ट होल्डिंग्स लिमिटेड (एएएचएल) द्वारा निर्धारित उड़ानों के परिचालन को प्रभावित किए बिना रनवे की रीकार्पेटिंगकी चुनौती को केवल नौ घंटे के एनओटीएएम (नोटिस टू एयरमेन) में पूरा किया गया था। परियोजना को पूरा करने में लगे 75 दिनों के दौरान, एसवीपीआईए ने दिन के शेष 15 घंटों के दौरान औसत रूप से 160 उड़ानों के लिए रनवे को हर दिन खुला रखा। रीकार्पेटिंग के लिए बिछाई गई डामर की मात्रा 200 किमी की सड़क बनाने में लगने वाली मात्रा के बराबर थी, और रनवे ड्रेनेज सिस्टम के लिए इस्तेमाल किया गया कंक्रीट 40 मंजिला निर्माण करने में लगने वाले कंक्रीट के बराबर रहा। परियोजना को पहले 10 नवंबर 2021 से शुरू करके 200 कार्य दिवसों के लिए नियोजित किया गया था। हालांकि, परिचालन दक्षता में सुधार और यात्रियों की असुविधा कम करने के लिए कंपनी द्वारा लगातार किए जा रहे प्रयास को ध्यान में रखते हुए, अदाणीग्रुप ने संसाधन बढ़ाते हुए 90 दिनों के लक्ष्य को रीसेट कर दिया था। इसके बाद, एसवीपीआईए की परियोजना टीम ने केवल 75 दिनों में काम पूरा किया। इस परियोजना में 200 से अधिक परिष्कृत उपकरणों के साथ 10 लाख सुरक्षित श्रम घंटे और 600 व्यक्तियों का सहयोग मिला, जिसमें स्टाफ और मजदूर शामिल रहे।

एसवीपीआईएका रीकार्पेटिंग रिकॉर्ड अधिक महत्वपूर्ण है क्योंकि मुम्बई, कोच्चि, नई दिल्ली, बेंगलुरु और हैदराबाद जैसे अन्य ब्राउनफील्ड भारतीय हवाई अड्डों के पास अधिक समय उपलब्ध था या एक अतिरिक्त रनवे था।जब अदाणी ग्रुप ने नवंबर 2020 में एसवीपीआईए का प्रबंधन संभाला, तो एएएचएल ने महसूस किया कि रनवे की राइडिंग क्वालिटी वांक्षित गुणवत्ता से कम थी, और रनवे पर जल निकासी की समस्याएं मौजूद थीं। रनवे की रीकार्पेटिंग परियोजना को, उद्योग मानकों के अनुसार, तीन कैलेंडर वर्षों में दो चरणों में पूरा करने का अनुमान लगाया गया था। लेकिन एएएचएल ने पूरे काम को कम से कम समय में पूरा करने की चुनौती स्वीकार की। एसवीपीआईए में पूरा किए गए अन्य अपग्रेडिंग कार्यों के अलावा, हवाई अड्डे के पास अब रनवे और कनेक्टिंग टैक्सीवे का एक संपूर्ण एयरफील्ड लाइटिंग सिस्टम है जो 12 से 14 गांवों वाले एक पूरे जिले में रोशनी करने के बराबर है।

कोल इंडिया ने बिजली संयंत्रों को कोयले की आपूर्ति बढ़ाई

नयी दिल्ली। आईपीटी नेटवर्क

देश की सबसे बड़ी कोयला उत्पादक और आपूर्तिकर्ता कोल इंडिया लि. (सीआईएल) ने चालू महीने के पहले पखवाड़े में कोयला आधारित बिजली संयंत्रों को आपूर्ति 14.2 प्रतिशत बढ़ाई है। सीआईएल ने मंगलवार को कहा कि इसके बावजूद सामान्य से अधिक गर्मी के कारण बिजली की बढ़ती मांग ने आपूर्ति में बढ़ोतरी के प्रभाव को कम कर दिया है। कोल इंडिया ने कहा कि वह बिजली संयंत्रों में कोयले के भंडार में कमी के मद्देनजर कोयला, बिजली और रेलवे मंत्रालयों के साथ तालमेल कर रही है। इसका मकसद इन संयंत्रों में कोयले के भंडार को बढ़ाना है। महारत्न कंपनी ने कहा, ''बिजली उत्पादन बढ़ने के साथ ही सीआईएल ने पिछले अप्रैल की समान अवधि की तुलना में अप्रैल, 2022 के पहले पखवाड़े में ताप बिजली संयंत्रों को अपनी आपूर्ति 14.2 प्रतिशत बढ़ा दी।'' इस दौरान सीआईएल की आपूर्ति 16 लाख टन प्रतिदिन हो गई, जो अप्रैल, 2021 की समान अवधि में 14.3 लाख टन थी। कंपनी ने अपने उत्पादन को बढ़ाकर अप्रैल के पहले पखवाड़े में 2.64 करोड़ टन कर दिया, जो सालाना आधार पर 27 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है।

ईकॉम एक्सप्रेस की 2025 तक अपने बेड़े के 50 प्रतिशत वाहनों को 'इलेक्ट्रिक' में बदलने की योजना

मुंबई। एजेंसी

प्रौद्योगिकी आधारित लॉजिस्टिक्स कंपनी ईकॉम एक्सप्रेस की योजना 2025 तक अपने बेड़े के 50 प्रतिशत वाहनों को 'इलेक्ट्रिक' में बदलने की योजना है। कंपनी ने बुधवार को बयान में कहा कि उसने जयपुर और हैदराबाद में इलेक्ट्रिक-बाइक तैनात की हैं, जो इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने की उसकी नीति के अनुरूप है। ईकॉम एक्सप्रेस के पास दो साल से दिल्ली-एनसीआर में तिपहिया इलेक्ट्रिक वाहनों का बेड़ा है। इनके जरिये कंपनी वितरण केंद्रों तक सामान की डिलिवरी करती है। इसके अलावा ग्राहकों तक उत्पादों की डिलिवरी के लिए कंपनी ई-बाइक का सफलतापूर्वक परीक्षण कर रही है। ईकॉम एक्सप्रेस लि. के सह-संस्थापक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) टी ए कृष्णन ने कहा, ''हमने 2025 तक ग्राहकों को उत्पादों की डिलिवरी के लिए 50 प्रतिशत वाहनों को इलेक्ट्रिक करने की योजना बनाई है। इसको लेकर हम काफी उत्साहित हैं। मेरा मानना है कि यह हरित लॉजिस्टिक्स के लिए एक प्रगतिशील कदम है।''

धर्म-कर्म का महीना: भगवान विष्णु को प्रिय है वैशाख मास

इस महीने पूजा और स्नान-दान से मिलता है कभी न खत्म होने वाला पुण्य

वैशाख महीना 17 अप्रैल से 16 मई तक रहेगा। इस महीने को पुराणों में बहुत खास बताया गया है। ग्रंथों के मुताबिक वैशाख महीने में खासतौर से भगवान विष्णु की पूजा करने का विधान बताया गया है। साथ ही इस महीने में पीपल और तुलसी पूजा भी करने की परंपरा है। ऐसा करने से कई यज्ञों का पुण्य मिलता है। साथ ही जाने-अनजाने में हुए पाप भी खत्म हो जाते हैं। वैशाख, भगवान विष्णु का प्रिय महीना है।

पंचामृत का विशेष भोग

पुरी के ज्योतिषाचार्य डॉ. गणेश मिश्र बताते हैं कि वैशाख महीने को माधव मास भी कहा जाता है। इस महीने भगवान विष्णु को पंचामृत और तुलसी दल का भोग लगाना चाहिए। सफेद और पीले पुष्प चढ़ाने से पूजा विशेष फलदायी बन जाती है।

नदियों में गंगा श्रेष्ठ

डॉ. मिश्र का कहना है कि इस महीने में प्यासे को जल पिलाने से गंगा स्नान का फल मिलता है। महर्षि नारद ने कहा था कि जिस तरह देवताओं में विष्णु, नदियों में गंगा श्रेष्ठ है, उसी तरह वैशाख को विष्णु के प्रिय होने से श्रेष्ठ महीना माना गया है।

श्रीहरि, देवी उपासना का खास महीना

वैशाख, खासतौर से श्रीहरि, देवी और परशुरामजी की उपासना का महीना है। विष्णु पूजा, गंगा और अन्य पवित्र नदियों में स्नान-दान का कई गुना फल मिलता है। इस महीने अच्छी सेहत के लिए जल के साथ सत्तू का सेवन लाभकारी है।

बड़े तीज-त्योहारों वाला महीना

वैशाख महीने में भगवान विष्णु के परशुराम अवतार की पूजा का विशेष महत्व है। इस महीने के शुक्लपक्ष की तृतीया पर इनकी विशेष पूजा की जाती है। इसी दिन अक्षय तृतीया पर्व मनाया जाता है। इस तृतीया के साथ ही वैशाख में आने वाली वरुथिनी और मोहिनी एकादशी का व्रत करने से कभी न खत्म होने वाला पुण्य मिलता है। वैशाख महीने में किए जाने वाले धर्म-कर्म से जाने-अनजाने में हुए हर तरह के पाप खत्म हो जाते हैं।

पुराणों में वैशाख महीना

स्कंद पुराण में वैशाख मास को सभी महीनों में उत्तम बताया गया है। पुराणों में कहा गया है कि जो व्यक्ति इस महीने में सूर्योदय से पहले स्नान करता है और व्रत रखता है। वो कभी दरिद्र नहीं होता। उस पर भगवान की कृपा बनी रहती है और उसे सभी दुखों से मुक्ति मिलती है। क्योंकि इस महीने के देवता भगवान विष्णु ही है। वैशाख महीने में जल दान का विशेष महत्व है।

पद्म पुराण में जिक्र है कि महीरथ नाम के राजा ने केवल वैशाख स्नान से ही वैकुण्ठधाम प्राप्त किया था। इस महीने में सूर्योदय से पहले किसी तीर्थ स्थान, सरोवर, नदी या कुएं पर जाकर या घर पर ही नहाना चाहिए। घर में नहाते समय पवित्र नदियों का नाम जपना चाहिए। नहाने के बाद सूर्योदय के समय सूर्य को अर्घ्य देना चाहिए।

वैशाख महीने में क्या करें

1. वैशाख मास में जल दान का विशेष महत्व है। यदि संभव हो तो इन दिनों में प्याऊ लगवाएं या किसी प्याऊ में मटके का दान करें।
2. किसी जरुरतमंद व्यक्ति को पंखा, खरबूजा, अन्य फल, अन्न आदि का दान करना चाहिए।
3. मंदिरों में अन्न और भोजन दान करना चाहिए।
4. इस महीने में ब्रह्मचर्य का पालन और सात्विक भोजन करना चाहिए।
5. वैशाख महीने में पूजा और यज्ञ करने के साथ ही एक समय भोजन करना चाहिए।

क्या नहीं करें

1.इस महीने में मांसाहार, शराब और अन्य हर तरह के नशे से दूर रहें।
2. वैशाख माह में शरीर पर तेल मालिश नहीं करवानी चाहिए।
3. दिन में नहीं सोना चाहिए
4. कांसे के बर्तन में खाना नहीं खाना चाहिए।
5. रात में भोजन नहीं करना चाहिए और पलंग पर नहीं सोना चाहिए।

मेष राशि में राहु, इन राशि वालों को मिलेगा अचनाक पैसा

ज्योतिष शास्त्र में राहु को चर्चित एवं प्रभाव कारक ग्रह के रूप में तो माना ही जाता है साथ ही आकस्मिकता का कारक ग्रह भी माना जाता हैं। राहुल छाया ग्रह तो हैं प्रभु है परंतु प्रभाव में अस्पष्टता देखने को मिलती है 12 अप्रैल 2022 से ही राहु का परिवर्तन शुक्र की राशि वृष से मंगल की राशि मेष में हो गया है। ऐसे में इनका प्रभाव मंगल की प्रकृति के अनुसार आम जनमानस सहित चराचर जगत पर पड़ेगा। ऐसी स्थिति में मिथुन लग्न अथवा मिथुन राशि वालों पर किस प्रकार का प्रभाव पड़ेगा इसकी चर्चा यहां पर की जाएगी। मिथुन लग्न अथवा राशि वालों के लिए राहु का परिवर्तन लाभ अभाव एकादश भाव में हुआ है। राहु की यह सर्वोत्तम स्थितियों में से एक है। यहां पर राहु अपना संपूर्ण प्रभाव दे पाने में सफल होता है, साथ ही साथ राहु यहां आकस्मिक अर्थात अचानक धन लाभ कराने के लिए जाना जाता है। राजनीति का कारक ग्रह होने के कारण राजनीतिक दृष्टि से भी लाभ प्रदान कराने के लिए एकादश भाव श्रेष्ठ भाव के रूप में जाना जाता है। ऐसी स्थिति में मिथुन लग्न अथवा मिथुन राशि वालों के लिए राहु का यह परिवर्तन शुभ फल प्रदायक ही होगा। आकस्मिक धन लाभ कराने में । शेयर बाजार के क्षेत्र से जुड़े जुड़े लोगों के लिए धन लाभ कराने के लिए। व्यापार क्षेत्र से जुड़े लोगों के लिए राज्य के बाहर अथवा राष्ट्र के बाहर व्यापारी गतिविधियों के विस्तार के लिए यह समय अनुकूल बना रहेगा। राहु की दृष्टि तृतीय भाव पराक्रम भाव पर होगा। ऐसी स्थिति में पराक्रम में वृद्धि सामाजिक पद प्रतिष्ठा में वृद्धि। भौतिक संसाधनों की प्राप्ति के लिए राहु का यह परिवर्तन लाभदायक होगा। परंतु भाई बंधुओं मित्रों से मनमुटाव तनाव की स्थिति भी अपने दृष्टि के कारण उत्पन्न करेंगे। राहु की दृष्टि पंचम भाव पर होगी ऐसी स्थिति में अध्ययन अध्यापन व संतान पक्ष को लेकर के कोई न कोई चिंता इस अवधि में बनी रहेगी। पढ़ाई के क्षेत्र से जुड़े लोगों के लिए यह समय तनाव उत्पन्न कर सकता है। ऐसी स्थिति में थोड़ा सा संभल करके एकाग्र चित्त होकर के अध्ययन अध्यापन का कार्य किया जाना चाहिए । अगली दृष्टि सप्तम भाव पर होने के कारण दांपत्य जीवन को लेकर के भी थोड़ा बहुत तनाव की स्थिति बना रहेगा। साथ साथ साझेदारीक गतिविधियों में परिवर्तन या तनाव की स्थिति उत्पन्न हो सकता है। व्यापार में परिवर्तन की संभावना भी बन सकती है। प्रेम के मामले में राहु सकारात्मक फल प्रदायक साबित नहीं होंगा। जितने लोगों की मूल कुंडली में राहु की स्थिति तीसरे, छठे, दशवें और ग्यारहवें भाव को छोड़कर अन्य भाव में स्थित है उनके लिए ज्यादा लाभदायक यह परिवर्तन नहीं होगा। फिर भी अगले 18 महीने के लिए मिथुन राशि अथवा मिथुन लग्न वालों के लिए लाभ की दृष्टि से समय अनुकूल बना रहेगा । उपाय सामान्य स्तर पर किया जा सकता है इसके लिए अपनी थाली से एक रोटी निकाल कर प्रत्येक दिन गाय और कुत्ते को नियमित तौर पर खिलाते रहे लाभ होगा।

व्यक्ति को कंगाल बना सकती हैं घर पर रखीं ये चीजें, आप भी जान लें

संतोष वाधवानी
रत्न एवं वास्तु विशेषज्ञ, अंतर्राष्ट्रीय ज्योतिष एवं वास्तु एसोसिएशन प्रदेश प्रवक्ता

वास्तु शास्त्र के अनुसार, घर को वास्तु दोष से बचाने के लिए सिर्फ दिशा ही मायने नहीं रखती हैं। घर की दीवारों या रखी हुई चीजें भी जरूरी होती हैं। घर का वास्तु सही और घर पर सजावट की चीजें वास्तु के अनुसार हो, तो सुख-समृद्धि का वास होता है। वहीं घर में सुकून की नींद और बरकत नहीं मिल रही हो तो इसका अर्थ है कि घर में वास्तु दोष है। इसलिए घर की दिशा ही नहीं बल्कि घर की चीजों का भी ध्यान रखना चाहिए। वास्तु शास्त्र के अनुसार, घर में मौजूद कुछ चीजें परिवार की तरक्की में बाधा डाल सकती हैं। जानिए किन चीजों को घर से तुरंत निकाल देना चाहिए।

नटराज की तस्वीर- वास्तु शास्त्र के अनुसार, घर में नटराज की मूर्ति रखते हैं तो यह बिना वजह अशांति का कारण बन सकती है। ऐसे में घर लड़ाई-झगड़े होने लगते है। इसलिए घर में नटराज की मूर्ति नहीं लगानी चाहिए। पौराणिक मान्यता के अनुसार, भगवान शिव नृत्य तभी करते हैं जब वह क्रोध में होते हैं। क्रोध मुद्रा में उनका तांडव होता है जो नटराज के रूप को दिखाता है, जिसका अर्थ होता है विनाश।

युद्ध से जुड़ी तस्वीरें- वास्तु शास्त्र के अनुसार, घर में कभी भी युद्ध से जुड़ी तस्वीरें नहीं लगानी चाहिए। कहते हैं कि इन तस्वीरों से परिवार के सदस्यों पर बुरा प्रभाव पड़ता है।

ताज महल- घर में कभी ऐसी तस्वीर नहीं लगानी चाहिए, जिसमें कोई कब्र या समाधि हो। लोग अक्सर अपने घरों में प्यार के प्रतीक के रूप में ताज महल की तस्वीर लगाते हैं। वास्तु शास्त्र के अनुसार, ताजमहल एक मकबरा है। इसलिए इस तरह की तस्वीरों से घर में नकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है।

कांटेदार पौधे- घर में कभी भी कांटेदार पौधे नहीं लगाने चाहिए। गुलाब के अलावा अन्य सभी कांटेदार पौधों को अशुभ माना जाता है। कहते हैं कि ऐसा करने से घर में नेगेटिव ऊर्जा का वास होता है।

डूबते जहाज की तस्वीर- घर में डूबते जहाज, तलवार की लड़ाई की तस्वीर, शिकार के चित्र, पकड़े गए हाथियों की तस्वीर या रोते हुए लोगों की तस्वीर नहीं लगानी चाहिए।

डूबते सूरज की तस्वीर- अगर आप घर में सूरज की तस्वीर लगा रहे हैं तो उगते सूरज की तस्वीर लगानी चाहिए। कहते हैं कि ऐसा करने से करियर में तरक्की मिलती है।

यात्रा को सुखद बनाएंगे और अनहोनी को दूर कर देंगे यह उपाय

कहा जाता है कि बुरा वक्त बताकर नहीं आता है। अनहोनी कभी भी और कहीं भी हो सकती है। अगर कहीं यात्रा पर जाने का कार्यक्रम बना रहे हैं तो वास्तु शास्त्र में कुछ उपाय अवश्य आजमाएं। इनका पालन करने से आपकी यात्रा सुखद होगी और अनहोनी से बचाव होगा। आइए जानते हैं इन उपायों के बारे में।

गायत्री मंत्र का जाप कर अपनी यात्रा आरंभ करें। यात्रा पर जा रहे हैं तो कभी भी मौसम या प्रकृति से जुड़ी किसी भी चीज के बारे में अपशब्द न कहें। यात्रा पर निकलने से पहले अगर आभूषण से लदी सुहागन स्त्री दिख जाए या बछड़े को दूध पिलाती गाय दिख जाए तो यह शुभ संकेत माना जाता है। यात्रा पर निकलने से पहले दही, दूध, घी, फल, फूल, चावल सामने आ जाएं तो यह भी शुभ संकेत माना जाता है। यात्रा पर जाते समय घर में विराजमान श्रीगणेश को नमन करें और सुखद यात्रा की कामना करें। यात्रा शुरू करने से पहले अपने ईष्टदेव का स्मरण करें। वास्तु के अनुसार, यात्रा पर निकलने से पहले घर में कर्पूर का धुंआ करें। सरसों के तेल के दीये में लौंग डालकर घर में जलाएं। ऐसा करने से वातावरण में सकारात्मकता आती है। घर से निकलने से पहले आईना देखकर निकलें और दही का सेवन कर बाहर निकलें। यात्रा पर जहां भी ठहरें हैं तो वहां उत्तर दिशा की ओर मुंह कर ना सोएं। यात्रा के दौरान तीन से पांच दिन तक ही कहीं रुकना चाहिए। धार्मिक यात्रा पर जा रहे हैं तो यात्रा से पहले हनुमान मंदिर में चोला चढाएं।

हैवेल्स ने एनर्जी एफीशियंट पंखे के मार्केट को दी नई परिभाषा, ईकोएक्टीव एनर्जी एफीशियंट मॉडल की नई रेंज की लांच

इंदौर। हैवेल्स इंडिया लिमिटेड, एक प्रमुख फास्ट मूविंग इलेक्ट्रिकल गुड्स (इईजी) कंपनी ने आगामी गर्मी के मौसम के लिए सीलिंग, पेडस्टल, वॉल और वेंटिलेटर फैन श्रेणी के 19 नए मॉडल लॉन्च करके एनर्जी एफीशियंट ईकोएक्टीव फैन की विशाल रेंज का अनावरण किया। तकनीकी रूप से उन्नत पंखे की नई रेंज ईकोएक्टीव सुपर एफीशियंट बीएलडीसी और इंडक्शन मोटर से सुसज्जित है। ईकोएक्टिव तकनीक पर आधारित बास्केट कवरिंग मॉडल उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हैं और ऊर्जा की खपत की बचत करते हुए बिजली बिलों पर 1900 रुपए प्रति वर्ष तक की बचत करते हैं।

हैवेल्स ने डिज़ाइनर अमाया सीलिंग फैन लॉन्च किया है जो इटैलियन शैली से प्रेरित खूबसूरत डिज़ाइन है, जिसमें रिवेट-लेस डिज़ाइन, प्रीमियम पीयू पेंट फ़िनिश और हाई एनर्जी एफीशियंसी में आकर्षक ग्लास से भरे ब्लेड के साथ प्रीमियम सुंदरता के साथ है। बीएलडीसी सीलिंग फैन श्रेणी के तहत, हैवेल्स ने 6 नए मॉडल भी लॉन्च किए हैं जिनमें सुपर-साइलेंट स्टेल्थ एयर नियो और स्टेल्थ एयर

प्राइम सीलिंग फैन शामिल हैं। बीईई 5 स्टार-रेटेड बीएलडीसी रेंज ईकोएक्टिव सुपर-एफीशियंट बीएलडीसी तकनीक से लैस है जो उन्नत और कम बिजली की खपत के साथ-साथ प्रीमियम खूबसूरती के साथ है। इसकी निचली प्लेट पर वुड फिल्म ट्रांसफर लगा हुआ है। नई फैन रेंज को कम आवाज में चलते है और शानदार हवा देन वाले इस फैन में इन-बिल्ट वोल्टेज स्टेबलाइजर लगा हुआ है। लंबी दूरी के लिए आरएफ टेक्नोलॉजी रिमोट के साथ, 4 घंटे तक टाइमर सेटिंग, मेमोरी बैक अप और मल्टी डायरेक्शन इस्तेमाल के लिए तैयार किया गया है। इसके साथ इस बहु-दिशात्मक उपयोग के साथ नाबाद वायु वितरण की पेशकश करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। इनोवेटिव आईओटी वैरिएंट ट्रिनिटी-आई सीलिंग फैन इंडस्ट्री का पहला 'स्मार्ट मोड' फीचर के साथ आने वाला फैन है जो आइसेंस टेक्नोलॉजी फंक्शन पर आधारित है, यह कमरे में तापमान और आर्द्रता को महसूस करता है और तदनुसार पंखे की गति को समायोजित करता है। उपयोगकर्ता की सुविधा के लिए वही तापमान, आर्द्रता और गति भी दर्शाता है। तकनीकी रूप से उन्नत सीलिंग फैन एलेक्सा और गूगल होम जैसे वॉइस इनेब्लड डिवाइस के साथ भी पेयर किया जा सकता है है और इसे मोबाइल एप्लिकेशन के साथ संचालित किया जा सकता है। इसकी अन्य विशेषताओं में रात के आराम के लिए 'स्लीप' और 'ब्रीज़' जैसे नए ऑटो मोड शामिल है। साथ ही इसमें और पांच-स्तरीय गति नियंत्रण, टाइमर सेटिंग और ऑटोमैटिक ऑन और ऑफ के साथ प्राकृतिक हवा प्रदान करता हैं।

जाब्रा और लेनोवो ने एकीकृत वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग मीटिंग रूम सोल्युशन के लिए सहयोग किया

जाब्रा ने अपने ग्राहकों को एंड-टू-एंड सोल्युशन प्रदान करने के लिए लेनोवो के साथ मिलकर टीम बनाई है इस नए सोल्युशन के अंतर्गत मात्र एक बटन दबाते ही मीटिंग रूम के लिए सहज तेज़ और निर्बाध वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग उपलब्ध हो जाएगी इस सोल्युशन में जाब्रा का इनोवेटिव 180डिग्री पैनोरमिक 4के प्लग-एंड-प्ले वीडियो सोल्युशन पैनाकास्ट 50 और लेनोवो का थिंकस्मार्ट हब शामिल है यह थिंकस्मार्ट हब से बना है जो व्यावसायिक उत्पादकता और सहयोग के लिए अनुकूलित है साथ ही कर्मचारियों को कहीं से भी कनेक्ट करने और साझा करने में मदद करने के लिए माइक्रोसॉफ्ट टीम रूम के साथ पहले से ही उपलब्ध कराया जा रहा है और थिंकस्मार्ट हब एक 10-पॉइंट टच एचडी डिस्प्ले है जोकि उपयोगकर्ताओं को मीटिंग शुरू करने और इसे नियंत्रित करने के साथ-साथ सामग्री साझा करने और दूर से काम करने वाले सहयोगियों के साथ काम करने की अनुमति देता है। पीटर जयसीलन,

वीपी एंड मैनेजिंग डायरेक्टर (साउथ एशिया) एंड हेड पब्लिक सेक्टर (एपीएसी) ने कहा हम लेनोवो के साथ सहयोग करने के लिए रोमांचित हैं और जाब्रा पैनाकास्ट 50 एवं लेनोवो थिंकस्मार्ट हब सोल्युशन का शुभारंभ एक इंटेलिजेंट तथा सुरक्षित मीटिंग रूम के लिए करना अत्यंत प्रेरणादायक है अब हाइब्रिड वर्किंग एक नया नॉर्मल है हर जगह व्यवसाय इस बारे में सोच रहे हैं कि न्यूनतम तकनीकी इनपुट के साथ सबसे उन्नत मीटिंग रूम सेट-अप कैसे उपलब्ध कराया जा सके हमें विश्वास है कि यह सोल्युशन व्यवसायों को उनकी कॉन्फ्रेंसिंग और सहयोग क्षमताओं को नई ऊंचाइयों पर ले जाने में मदद करेगा।रोरी मार्टिन, एसएमसी सेल्स लीड, एपी, लेनोवो हम जाब्रा के पैनाकास्ट 50 के संयोजन के साथ अपने थिंकस्मार्ट हब सोल्युशन की विशेषताओं और क्षमताओं के बारे में बहुत उत्साहित हैं क्योंकि यह स्मार्ट कामकाजी वातावरण की दिशा में हो रहे परिवर्तन को आगे बढ़ाएगा यह महत्वपूर्ण है कि ग्राहकों के पास ऐसी तकनीक तक पहुंच हो जो अधिक तेज़ी और रचनात्मकता के साथ जुड़ाव को सशक्त बनाती हो वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के उच्चतम स्तर के साथ, हम ऐसे सोल्युशन देने का प्रयास करना जारी रखेंगे जो दुनिया भर में बेहतर सहयोग को सक्षम बनाते हैं।

जाब्रा पैनाकास्ट 50 और लेनोवो थिंकस्मार्ट हब, डिजिटल सहयोग में दो सबसे बड़े नामों की सर्वश्रेष्ठ तकनीक को एक साथ लाते हैं और मीटिंग रूम सेट-अप में एक नया मानक स्थापित करते हैं। उपयोग में बेहद आसान इस पैकेज में एक बेहतर ऑडियो और वीडियो उपकरण है जोकि मीटिंग में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग और सहयोग को बाएं हाथ का खेल बना देते हैं। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग सोल्युशन में एक नया मानक यह प्रोडक्ट वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में एक नए मानक को प्रतिष्ठित करता है तथा लचीलेपन के साथ काम करते हुए आधुनिक मीटिंग रूम के लिए यह एक आदर्श सोल्युशन है। उपयोगकर्ता मात्र एक बटन के स्पर्श से अपनी टीम के साथ सहयोग कर सकते हैं, चाहे वे घर से काम कर रहे हों, कार्यालय से काम कर रहे हो या कहीं से भी मीटिंग को ज्वाइन करना चाहते हों। जाब्रा पैनाकास्ट 50 को दुनिया का पहला न्यू-नॉर्मल-रेडी इंटेलिजेंट वीडियो बार के तौर पर बनाया गया है। इसका 180डिग्री फील्ड ऑफ व्यू मीटिंग रूम में सामाजिक दूरी की अनुमति देता है, इसलिए अब आपको सीमित स्थानों में निकटता के बारे में चिंता करने की आवश्यकता नहीं है। साथ ही, यह आपकी मीटिंग के निर्देशक की भूमिका को प्रभावी ढंग से निभाता है मीटिंग में कार्रवाई का पालन करने के लिए वीडियो स्ट्रीम को समझदारी से समायोजित करता है।

एक्ज़ोनोबेल इंडिया ने ट्रू कलर तकनीक के साथ बिल्कुल नया डुलक्स वेलवेट टच लॉन्च किया

एक्ज़ोनोबेल इंडिया के प्रमुख डेकोरेटिव पेंट ब्रांड 'डुलक्स' ने आज भारत में उपभोक्ताओं के लिए अगली पीढ़ी के कलर इनोवेशन की शुरुआत की। ड्यूलक्स के प्रतिष्ठित वेलवेट टच अल्ट्रा-लक्जरी इंटीरियर इमल्शन पेंट की पूरी रेंज (ड्यूलक्स वेलवेट टच डायमंड ग्लो, ड्युलक्स वेलवेट टच पर्ल ग्लो और ड्युलक्स वेलवेट टच प्लेटिनम ग्लो) अब ट्रू कलर टेक्नोलॉजी एज के साथ आते हैं। डुलक्स की इस नई पेशकश के बारे में बात करते हुए, राजीव राजगोपाल, प्रबंध निदेशक, एक्ज़ोनोबेल इंडिया ने कहा, 'डुलक्स वेलवेट टच, पेंट की सर्वोत्तम गुणवत्ता का प्रतीक है। जैसे-जैसे भारतीय उपभोक्ता अपने घरों को फिर से जीवंत करने में अधिक समय व्यतीत कर रहे हैं, दीवारें आत्म-अभिव्यक्ति का कैनवास बन गई हैं। ड्यूलक्स इंडिया अब उपभोक्ताओं को रंगों के माध्यम से फलने-फूलने के लिए और अधिक सशक्त बना रहा है। हमें ट्रू कलर तकनीक के साथ बिल्कुल नया डुलक्स वेलवेट टच पेश करते हुए बहुत खुशी हो रही है। नई तकनीक के साथ हमारा यह पेंट अल्ट्रा स्मूथ फिनिश के साथ गहन समृद्ध रंगो का उचित संयोग है, जो आपके घर की सुंदरता में

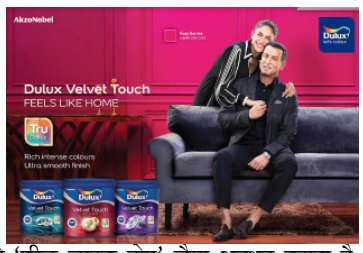

चार चांद लगाता है और आपको 'फील लाइक होम' जैसा अनुभव कराता है।' वैश्विक समसामयिक डिजाइन थीम से प्रेरित, 'ट्रू कलर' ने बेहद स्मूथ फिनिश के लिए बेहतरीन सामग्री और कलर पिगमेंट के साथ बनाए गए गहन समृद्ध रंगों के विशेष रूप से क्यूरेट किए गए पैलेट को जीवंत किया है। एम्स्टर्डम में एक्ज़ोनोबेल के 'ग्लोबल एस्थेटिक सेंटर' ने अपनी रंग विशेषज्ञता को तीन डिज़ाइन पैलेट - एसेंशियल, एक्सेंट और एटमॉस्फियर के रूप में परिष्कृत किया है। 'एसेंशियल कलर पैलेट' को कालातीत क्लासिक्स की थीम पर एक आधुनिक रूप में परिष्कृत किया गया है। पेंट के विविध रंगों में रोमांटिक पिंक से लेकर वार्म पीच, कॉटन ब्लॉसम से क्रिस्प लिनन, लॉफ्टी ड्रीम से लेकर वर्चुअल रियलिटी तक कई अद्भुत रंग शामिल हैं। यह सभी रंग सफेद और न्यूट्रल छवि लिए हुए, हल्के टोन के साथ एक बेहद शानदार, शांत, रोमांटिक और सुरुचिपूर्ण अपील लिए हुए हैं। 'एक्सेंट कलर पैलेट' अपने अंदर ताजा, हल्का, हवादार, प्रसन्नता और स्फूर्ति दायक तत्वों की छवि लिए हुए है। इस कलर पैलेट के रंगों में संतरे जैसा मेरीगोल्ड ब्लॉसम, फ्रेश हरा रंग, सनी येलो, प्रसन्नता और स्फूर्ति देने वाला नीला रंग शामिल हैं। चाहे एक पूरा कमरा हो या कमरे की कोई एक मुख्य दीवार, ये रंग आपके रहने की जगह को उत्साह से भर देते हैं जिसे आप सारा जीवन अनुभव करना चाहेंगे। 'एटमॉस्फियर कलर पैलेट' अपने अंदर मिट्टी का भूरा रंग, शानदार लाल रंग, प्रसन्नता देने वाला हरा रंग, और गहरे समंदर जैसा नीला रंग लिए हुए है, जो इस कलर पैलेट को बेहद आरामदायक, स्फूर्तिदायक और भरोसेमंद बनाता है। जंगल, समुद्र और आकाश से प्रेरित इस पैलेट के साथ प्रकृति की असीम महिमा का आनंद लें। ट्रू कलर तकनीक के साथ नई 'डुलक्स वेलवेट टच रेंज' अब पूरे भारत में खरीदने के लिए उपलब्ध है। इस अनूठे प्रस्ताव को जीवंत करने के लिए, डुलक्स ने एक नया टीवीसी 'ड्यूलक्स वेलवेट टच - फील लाइक होम' लॉन्च किया है। प्रसिद्ध निर्देशक गौरी शिंदे द्वारा निर्देशित, इस टीवीसी में मृणाल ठाकुर और रोनित रॉय एक पिता-पुत्री की जोड़ी के रूप में हैं। यह फिल्म इस बात पर एक प्रगतिशील चित्रण करती है कि कैसे 'ट्रू कलर तकनीक' के साथ 'डुलक्स वेलवेट टच' आधुनिक समय के रिश्तों को करीब लाने में एक बेहद शानदार और रंगीन भूमिका निभाता है।

भारत के गैर-बासमती चावल निर्यात में आया 109% का उछाल

नई दिल्ली। एजेंसी

भारत का गैर-बासमती चावल निर्यात वित्त वर्ष 2013-14 में 2925 मिलियन अमरीकी डॉलर से 109 प्रतिशत की अद्भुत वृद्धि के साथ वित्त वर्ष 2021-22 में 6115 मिलियन अमरीकी डॉलर पर पहुंच गया। वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय की ओर से यह जानकारी दी गई है। जारी बयान में कहा गया, 'उउण्घ्ए के आंकड़ों के अनुसार, भारत ने 2021-22 में दुनिया भर के 150 से अधिक देशों को चावल का निर्यात किया। इनमें से 76 देशों को एक मिलियन अमरीकी डालर से अधिक का निर्यात किया, यह बीते सालों में भारत के चावल निर्यात के विविधीकरण को इंगित करता है।'केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने एक ट्वीट में ऐतिहासिक उपलब्धि पर प्रकाश डालते हुए कहा है कि मोदी सरकार की नीतियों ने किसानों को वैश्विक बाजारों तक पहुंच बनाने और खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने में मदद की है। मंत्रालय की ओर से कहा गया कि DGCIS के आंकड़ों के अनुसार भारत ने 2019-20 में 2015 मिलियन अमरीकी डॉलर के गैर-बासमती चावल का निर्यात किया था, जो 2020-21 में बढ़कर 4799 मिलियन अमरीकी डॉलर और 2021-22 में 6115 मिलियन अमरीकी डॉलर हो गया है। 2021-22 में 27% की वृद्धि दर्ज करते हुए गैर-बासमती चावल का निर्यात 6115 मिलियन अमरीकी डॉलर के साथ सभी कृषि-वस्तुओं में शीर्ष विदेशी मुद्रा अर्जक रहा है। कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (APEDA) के अध्यक्ष डॉ एम अंगमुथु ने कहा, 'अपने विदेशी मिशनों के सहयोग से हमने लॉजिस्टिक्स के विकास के साथ-साथ गुणवत्तापूर्ण उत्पादों के उत्पादन पर ध्यान केंद्रित किया है, जिससे भारत के चावल निर्यात की संभावनाओं को बढ़ावा मिला है।' पश्चिम अफ्रीकी देश बेनिन, भारत के गैर-बासमती चावल के प्रमुख आयातकों में से एक है। अन्य गंतव्य देश नेपाल, बांग्लादेश, चीन, कोटे डी' आइवर, टोगो, सेनेगल, गिनी, वियतनाम, जिबूती, मेडागास्कर, कैमरून सोमालिया, मलेशिया, लाइबेरिया संयुक्त अरब अमीरात आदि हैं। मंत्रालय के अनुसार, भारत में प्रमुख चावल उत्पादक राज्य पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश, पंजाब, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, बिहार, छत्तीसगढ़, ओडिशा, असम और हरियाणा हैं।

SBI के अलावा इन 3 बैंकों का लोन भी हुआ महंगा, 0.1% तक बढ़ा दीं कर्ज दरें

नई दिल्ली। एजेंसी

भारतीय स्टेट बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा , एक्सिस बैंक और कोटक महिंद्रा बैंक सहित प्रमुख बैकों ने अपनी प्रमुख ऋण दरों में 0.1 प्रतिशत तक की वृद्धि की है। इसके चलते होम लोन, कार लोन और व्यक्तिगत ऋण की मासिक किस्त (ईएमआई) बढ़ेगी। इन बैंकों ने करीब तीन साल बाद बेंचमार्क ऋण दरों में बढ़ोतरी की है। माना जा रहा है कि और बैंक भी इसी तरह का कदम उठा सकते हैं। देश के सबसे बड़े बैंक एँ ने मार्जिनल कॉस्ट ऑफ फंड बेस्ड लेंडिंग रेट (MCLR) में 0.1 प्रतिशत की बढ़ोतरी की है। बैंक ने एक साल की अवधि के लिए ऋण दर को सात प्रतिशत से बढ़ाकर 7.10 प्रतिशत कर दिया है। एसबीआई की वेबसाइट पर दी जानकारी के अनुसार, संशोधित एमसीएलआर दर 15 अप्रैल से प्रभावी है। एक दिन, एक महीने और तीन महीने की एमसीएलआर 0.10 प्रतिशत बढ़कर 6.75 फीसदी हो गई, जबकि छह महीने की एमसीएलआर बढ़कर 7.05 फीसदी हो गई। ज्यादातर कर्ज एक साल की एमसीएलआर दर से जुड़े होते हैं। इसी तरह दो साल की एमसीएलआर 0.1 प्रतिशत बढ़कर 7.30 प्रतिशत और तीन साल की एमसीएलआर 0.1 प्रतिशत बढ़कर 7.40 प्रतिशत हो गई।

बैंक ऑफ बड़ौदा, कोटक और एक्सिस बैंक ने कितनी की बढ़ोतरी

बैंक ऑफ बड़ौदा (बीओबी), एक्सिस बैंक और कोटक महिंद्रा बैंक ने भी एक-वर्षीय एमसीएलआर में वृद्धि की है। बीओबी ने एक साल की अवधि के लिए एमसीएलआर को बढ़ाकर 7.35 प्रतिशत कर दिया है, जो 12 अप्रैल से प्रभावी है। निजी क्षेत्र के एक्सिस बैंक और कोटक महिंद्रा बैंक ने भी एक साल की अवधि के लिए एमसीएलआर को बढ़ाकर 7.40 प्रतिशत कर दिया है, जो क्रमशः 18 अप्रैल और 16 अप्रैल से प्रभावी है।

MCLR से लिंक्ड लोन्स की बढ़ जाएगी ईएमआई

इस फैसले के बाद जिन लोगों ने एमसीएलआर पर कर्ज लिया है, उनकी ईएमआई थोड़ी बढ़ जाएगी। हालांकि, जिन लोगों ने अन्य मानकों के आधार पर ऋण लिया है, उनकी ईएमआई पर प्रभाव नहीं पड़ेगा। एसबीआई की ईबीएलआर (वाह्य मानक आधारित उधारी दर) 6.65 प्रतिशत है, जबकि रेपो से जुड़ी कर्ज की दर (आरएलएलआर) 6.25 प्रतिशत है। यह दर एक अप्रैल से प्रभावी है। आवास और वाहन ऋण सहित किसी भी प्रकार का कर्ज देते समय बैंक ईबीएलआर और आरएलएलआर पर ऋण जोखिम प्रीमियम (सीआरपी) को जोड़ते हैं।

'डॉलर' दरकिनार, रुपए-रूबल के जरिए भारत-रूस के बीच कारोबार शुरू

चाय-कॉफी, चावल का हुआ निर्यात

नई दिल्ली। एजेंसी

दुनियाभर में विभिन्न देशों के बीच आपसी कारोबार के लिए अब तक मान्य अंतरराष्ट्रीय मुद्रा अमेरिकी रही है। इसलिए डॉलर के भाव अक्सर ही आसमान पर चढ़े रहते हैं। लेकिन रूस-यूक्रेन युद्ध (Russia-Ukraine War) की पृष्ठभूमि अंतरराष्ट्रीय आर्थिक और कारोबारी परिस्थितियां तेजी से बदली हैं। इन्हीं के क्रम में भारत और रूस ने डॉलर को दरकिनार करते हुए अपनी मुद्राओं रुपए और रूबल में आपसी कारोबार शुरू किया है।

खबरों के मुताबिक, भारत ने बीते सप्ताह चाय, चावल, फल, कॉफी और समुद्री उत्पादों की खेप रूस के लिए रवाना की है। यह खेप जॉर्जिया के बंदरगाह पर उतरेगी। वहां से रूस के लिए रवाना किया जाएगा। बताते चलें कि जॉर्जिया पश्चिमी एशिया और पूर्वी यूरोप के बीच स्थित है। इसके पश्चिम में काला सागर है। जबकि उत्तर और पूर्व में रूस स्थित है। भारतीय निर्यात संघों के महासंघ (इध्ध्ं) के महानिदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी (ध्ध्ं) अजय सहाय भारत की ओर से रूस को यह खेप भेजे जाने की पुष्टि करते हैं। उनके मुताबिक, 'इस निर्यात के एवज में रूस का सबसे बड़ा कर्जदाता एसबर बैंक (ऐंहव) रूस की मुद्रा रूबल में भारत को भुगतान सुनिश्चित करेगा।'

'नानजी, नागजी एक्सपोर्ट्स' फर्म के निदेशक अश्विन शाह भी इसकी पुष्टि करते हैं। रूस को चावल निर्यात करने वाली यह बड़ी फर्म है। अश्विन बताते हैं, 'हमने करीब 22,000 किलोग्राम गैरबासमती चावल के 22 कंटेनर रूस के लिए रवाना किए हैं।' इसी तरह, रूस को चाय निर्यात करने वाली फर्म 'एशियन टी' के निदेशक मोहित अग्रवाल भी बताते हैं, 'रूस के लिए चाय का निर्यात भी शुरू हो चुका है। हमने वहां के लिए 5 कंटेनर रवाना किए हैं।' गौरतलब है कि भारत की चाय के लिए रूस सबसे बड़े बाजारों में शुमार होता है। वहां के लिए हर साल करीब 4.5 करोड़ किलोग्राम चाय का निर्यात भारत से किया जाता है। सूत्रों की मानें तो जल्द ही अन्य उत्पाद भी रूस भेजे जाएंगे।

इससे पहले भारत ने रूस से इसी तरह कच्चा तेल खरीदा था

याद दिला दें कि इसी तरह करीब 1 पखवाड़े पहले भारत ने रूस से इसी तरह कच्चा तेल (ण्ल् ध्त्) खरीदा था। 'द इकॉनॉमिक टाइम्स' के मुताबिक, रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद से कुछ हफ्तों के भीतर ही भारत ने रूसी तेल कंपनियों से 1.30 करोड़ बैरल तेल खरीदा था। इसके बदले में रूस को भारतीय मुद्रा रुपए में भुगतान किया गया था। रूसी कंपनियों ने बेहद सस्ते दामों पर यह तेल भारत को बेचा था।

आयातित कोयले की ऊंची लागत का बोझ उपभोक्ताओं पर डालने के पक्ष में बिजली मंत्रालय

नयी दिल्ली। एजेंसी

घरेलू कोयले की किल्लत के कारण बिजली संकट गहराने की बढ़ती आशंका के बीच बिजली मंत्रालय ने उच्च कीमत वाले आयातित कोयले का भार उपभोक्ताओं पर ही डालने की राय का समर्थन किया है।

केंद्रीय बिजली सचिव आलोक कुमार ने मंगलवार को कहा कि दिसंबर 2022 तक कुछ कोयला-आधारित बिजली संयंत्रों के लिए आयातित कोयले पर आने वाली उच्च लागत का भार उपभोक्ताओं पर डालने देने पर सहमति बनी है। उन्होंने कहा कि अगर आयातित कोयले पर आधारित बिजली संयंत्र पूरी क्षमता से नहीं चलेंगे, तो बिजली की बढ़ती मांग के कारण घरेलू कोयला आधारित इकाइयों पर दबाव पड़ेगा। इस कदम से बिजली की उपलब्धता बढ़ाने में मदद मिलेगी क्योंकि अडानी समूह, टाटा पावर और एस्सार जैसी आयातित कोयला आधारित इकाइयां बिजली पैदा करने और राज्य वितरण कंपनियों को बेचने में सक्षम होंगी। इस महीने की शुरुआत में बिजली मंत्री आर के सिंह की अध्यक्षता में हुई एक उच्च स्तरीय बैठक में एस्सार के 1,200 मेगावाट के सलाया संयंत्र और मुंद्रा में अडाणी के 1,980 मेगावाट संयंत्र जैसी इकाइयों को शामिल करते हुए आयातित कोयले की ऊंची लागत को उपभोक्ताओं पर ही डालने को लेकर सहमति बनी थी।

देश की पहली छत पर लगी 'पोर्टेबल' सौर प्रणाली का गांधीनगर में उद्घाटन

नयी दिल्ली। एजेंसी

गुजरात के गांधीनगर में स्वामीनारायण अक्षरधाम मंदिर परिसर में सोमवार को छतों पर लगायी गयी सौर परियोजना का उद्घाटन किया गया। यह देश की पहली 'पोर्टेबल' यानी आसानी से कहीं भी ले जाने में सुलभ छत पर लगी सौर परियोजना है। आधिकारिक बयान के अनुसार, मंदिर परिसर में 10 फोटो वोल्टिक (पीवी) पोर्ट सिस्टम की स्थापना में जर्मन विकास एजेंसी डॉयचे गेसेलशाफ्ट फर इंटरनेशनेल जुसामेनरबीट (जीआईजेड) ने सहायता उपलब्ध करायी है। यह प्रणाली पूरे देश में अक्षय ऊर्जा शहरों को विकसित करने के केंद्रीय नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय की पहल के तहत स्थापित की गयी है। बयान के अनुसार, ''यह देश की पहली 'पोर्टेबल' छतों पर लगायी जाने वाली सौर परियोजना है। इसका उद्घाटन गांधीनगर में स्वामीनारायण अक्षरधाम मंदिर परिसर में किया गया।'' पीवी पोर्ट का विनिर्माण दिल्ली के सर्वोटेक पावर

सिस्टम्स लि. ने किया है। कंपनी 'मेक इन इंडिया' के तहत एलईडी, ऑक्सीजन कंसन्ट्रेटर और ईवी चार्जिंग उपकरण जैसे उत्पादों का विनिर्माण करती है। सर्वोटेक पावर सिस्टम्स ने गांधीनगर में स्थापित किए जाने वाले 40 फोटो वोल्टिक पोर्ट सिस्टम में से पंडित दीनदयाल एनर्जी यूनिवर्सिटी, जीएसपीसी भवन, इंद्रोदा पार्क, निफ्ट, आर्य भवन और अन्य स्थानों पर 30 से अधिक सिस्टम पहले ही स्थापित कर दिये हैं। पीवी पोर्ट सिस्टम लागत के हिसाब से काफी सस्ता है। इसके रखरखाव की लागत काफी कम है। यह 25 से 30 साल तक चलता है और इसे आसानी से स्थापित किया जा सकता है तथा यह भारतीय जलवायु के हिसाब से पूरी तरह से उपयुक्त है। यह सौर संयंत्र पूरी तरह से स्वयं की खपत को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है और इससे उत्पन्न बिजली को ग्रिड में नहीं भेजा जाएगा। परंपरागत पीवी प्रणाली के उलट फोटोवोल्टिक पोर्ट के तहत पैनल के नीचे की जगह का उपयोग किया जा सकता है। प्रत्येक प्रणाली से बिजली बिल के रूप में सालाना औसतन 24,000 रुपये की बचत होने का अनुमान है।

उच्च विदेशी मुद्रा भंडार से विदेशों से कर्ज की लागत कम हुईः आरबीआई लेख

मुंबई। एजेंसी

देश में विदेशी मुद्रा भंडार के उच्च स्तर पर होने से विदेशों से कर्ज की लागत के साथ-साथ तथा कंपनियों के लिये जोखिम प्रबंधन की लागत भी कम हुई है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के एक लेख में यह कहा गया है। आरबीआई 2019 से विदेशी मुद्रा भंडार पर जोर दे रहा है और यह तीन सितंबर, 2021 को रिकॉर्ड 642.453 अरब डॉलर पर पहुंच गया। यह दिसंबर, 2018 के मुकाबले दोगुना से अधिक है। हालांकि मार्च, 2022 में विदेशी मुद्रा भंडार 14.272 अरब डॉलर घट गया। इसका कारण विकसित देशों में ब्याज दर बढ़ने और रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण घरेलू बाजार से पूंजी निकासी है। 'उभरती बाजार अर्थव्यवस्थाओं में विदेशी मुद्रा भंडार बफरः चालक, उद्देश्य और निहितार्थ' शीर्षक से प्रकाशित लेख में कहा गया है, ''भारत के लिये विदेशी मुद्रा भंडार के उच्च स्तर को विदेशी उधारी के साथ-साथ

जोखिम प्रबंधन की कम लागत के रूप में देखा जाता है।''

इस लेख को आरबीआई के आर्थिक और नीति अनुसंधान विभाग के डी केशो राउत और दीपिका रावत ने लिखा है। केंद्रीय बैंक ने कहा कि लेख में व्यक्त विचार लेखकों के हैं और कोई जरूरी नहीं है कि उसके दृष्टिकोण के अनुरूप हों। लेख के अनुसार हाल के वर्षों में भारत के मुद्रा भंडार में वृद्धि का कारण शुद्ध पूंजी प्रवाह के मुकाबले चालू खाता घाटे (सीएडी) का मामूली स्तर पर होना है। इसके अनुसार यह मोटे तौर पर कोविड के बाद की अवधि में कुछ उभरती बाजार अर्थव्यवस्थाओं (ईएमई) में देखी गई प्रवृत्ति के अनुरूप है। यह आंशिक तौर पर विकसित अर्थव्यवस्थाओं में काफी सस्ती मौद्रिक नीति का नतीजा है। इसके कारण अधिक रिटर्न की तलाश में वहां से पूंजी उभरती अर्थव्यवस्थाओं में आई। देश का चालू खाते का घाटा 2019-20 में उल्लेखनीय रूप से कम हुआ और 2020-21 में अधिशेष में रहा। दूसरी तरफ प्रत्यक्ष विदेशी निवेश के साथ पूंजी खाते में इन दोनों साल अधिशेष की स्थिति रही।

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक सचिन बंसल द्वारा अपनी दुनिया प्रिंटर्स, 13, प्रेस काम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 18, सेक्टर-डी-2, सांवेर रोड, इंडस्ट्रीयल एरिया, जिला इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित । संपादक- सचिन बंसल

सूचना/चेतावनी- इंडियन प्लास्ट टाइम्स अखबार के पूरे या किसी भी भाग का उपयोग, पुनः प्रकाशन, या व्यावसायिक उपयोग बिना संपादक की अनुमति के करना वर्जित है। अखबार में छपे लेख या विज्ञापन का उद्देश्य सूचना और प्रस्तुतिकरण मात्र है। अखबार किसी भी प्रकार के लेख या विज्ञापन से किसी भी संस्थान की सिफारिश या समर्थन नहीं करता है। पाठक किसी भी व्यावसायिक गतिविधि के लिए स्वविवेक से निर्णय करें। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र इंदौर, मप्र रहेगा।